माघ कृष्ण पक्ष -5, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 185 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
07 जनवरी 2026
बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आज का मौसम

21.8 अधिकतम

8.4 न्यूनतम

न्यूज विंडो

सस्ते स्टांप का लालच देकर वकीलों से लाखों की ठगी

भोपाल। सस्ते दाम पर स्टाम्प उपलब्ध कराने का लालच देकर वकीलों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपित ने नवंबर महीने में तीन वकीलों को सस्ते दाम पर स्टाम्प पेपर उपलब्ध करवाने का लालच दिया था और उनसे ढाई लाख रुपये एडवांस में लिए थे। अयोध्यानगर थाना पुलिस ने वकीलों की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे के अनुसार अयोध्यानगर निवासी वकील धनंजय सिंह राजपूत ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उज्जैन निवासी सावन सोनी ने स्वयं को स्टाम्प वेंडर बताते हुए उनसे संपर्क किया था।

महिला को निर्वस्त्र कर बदसलूकी का आरोप

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के हुबली में एक बीजेपी महिला कार्यकर्ता को निवस्त्र कर उनके साथ बदसलूकी करने का आरोप है। केशवपुर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों पर ये आरोप लगा है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने कांग्रेस नगर निगम के एक सदस्य की शिकायत के बाद ऐसा किया, जिससे बीजेपी समर्थकों में भारी नाराजगी है। महिला के साथ बदसुलूकी की ये तस्वीरें सोशियल मीडिया पर भी पोस्ट हुई हैं। पुलिस के आला अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षद सुवर्णा कल्लाकुंतला की शिकायत के बाद महिला को हिरासत में लिया गया। यह शिकायत राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभ्यास के दौरान कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच पहले हुए विवाद से जुड़ी है।

झारखंड में जंगली हाथी ने एक रात में 7 को मार डाला

चाईबासा, एजेंसी। नोवामुंडी प्रखंड के जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबरिया गांव में रात जंगली हाथी के हमले से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा दूसरे परिवार के एक सदस्य की भी हाथी के हमले में जान चली गई। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है।बताया गया कि सभी लोग अपने घर में सो रहे थे, तभी हाथी ने अचानक घर पर हमला कर दिया। इस दौरान परिवार का एक बच्चा किसी तरह जान बचाने में सफल रहा। बाबरिया गांव में मृतकों की पहचान सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो मासूम बच्चों और मोगदा लागुरी (दूसरे परिवार से) के रूप में हुई है।

इंदौर-बुधनी नई रेल लाइन के लिए कटेंगे 277 पेड़

इंदौर। इंदौर-बुधनी नई रेलवे लाइन परियोजना को लेकर जमीन अधिग्रहण किया जाना है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने तेजी से प्रक्रिया करने में लगा है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत डकाच्या और सांवेर में आने वाले गांव से रेलवे लाइन गुजरना है। निर्माण के दौरान बाधक पेड़ों को चिन्हित कर लिया है। 35 प्रजातियों के 277 पेड़ों को काटा जाएगा। जिला प्रशासन की तरफ से सशर्त पेड़ों की कटाई को लेकर निर्देश दिए है। यह अनुमति रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भोपाल के मुख्य परियोजना प्रबंधक के आवेदन पर दी गई है।

आज का कार्टून

दुनियाभर में हड़कंप... बच्चों के पोषण उत्पाद मार्केट में कंपनी की हिस्सेदारी एक चौथाई

नेस्ले के बेबी प्रोडक्ट्स में जहरीले पदार्थ की आशंका, 25 देशों से सामान बुलाया

नईदिल्ली, एजेंसी

नेस्ले (Nestle) ने यूरोप के कई देशों में बच्चों के दूध के कुछ बैच वापस मंगाने का फैसला किया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि उन्हें सप्लायर से क्वॉलिटी की समस्या मिली है। नेस्ले उन सभी वस्तुओं की जांच कर रही है, जिनका इस्तेमाल इन प्रॉडक्ट्स को बनाने में किया गया था। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर इन प्रॉडक्ट्स की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें SMA, BEBA और NAN फॉर्मूला शामिल हैं।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इन उत्पादों में एक जहरीला पदार्थ मिल सकता है, जिससे उल्टी और मतली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह रिकॉल दिसंबर में छोटे पैमाने पर शुरू हुआ था। नेस्ले किटकैट से लेकर नेस्कैफे तक बनाती है। कंपनी का कहना है कि रिकॉल किए गए उत्पादों से जुड़ी कोई भी बीमारी अभी तक कन्फर्म नहीं हुई है। ऑस्ट्रिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस रिकॉल से नेस्ले की 10 से ज्यादा फैक्ट्रियों के 800 से ज्यादा उत्पाद प्रभावित हुए हैं। उसने इसे कंपनी के इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉल बताया। नेस्ले के एक प्रवक्ता इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं की। नेस्ले के एक प्रवक्ता ने कहा कि एक बड़े सप्लायर से क्वालिटी की समस्या सामने आने के बाद नेस्ले ने सभी एराकिडोनिक एसिड ऑयल और संबंधित ऑयल मिक्स का परीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल शिशु पोषण उत्पादों के उत्पादन में हुआ था। टेस्टिंग पूरी होने के बाद नेस्ले ने प्रभावित उत्पादों को वापस मंगाया है। नेस्ले के शेयर पिछले दो दिनों में 3 फ़ीसदी से ज्यादा गिरे हैं।

दो दिनों में 3 फ़ीसदी से ज्यादा गिरे नेस्ले के शेयर, फिलहाल जिन देशों से प्रोडक्ट बुलाए उनमें भारत नहीं। यूरोप, तुर्की और अर्जेंटीना शामिल

बेबी फूड में 92 बिलियन डॉलर का कारोबार

स्काइक्रेस्ट टेक्नोलॉजी ग्रुप के अनुसार, नेस्ले का ग्लोबल शिशु पोषण बाजार में लगभग एक चौथाई हिस्सा है, जिसकी कीमत 92.2 बिलियन डॉलर है। नेस्ले अपनी बिक्री का डेटा नहीं बताती है, लेकिन शिशु फॉर्मूला उनके न्यूट्रिशन एंड हेल्थ साइंस डिवीजन का हिस्सा है। 2024 में इस डिवीजन की कुल बिक्री 91.4 बिलियन स्विस फ्रैंक यानी 115.4 बिलियन डॉलर रही थी। नेस्ले ने बताया कि रिकॉल यूरोप, तुर्की और अर्जेंटीना में बिके बैचों को कवर करता है। यह रिकॉल 'सरयूलाइड' नामक जहरीले पदार्थ की संभावित मिलावट के कारण हुआ है। यह जहरीला पदार्थ कुछ बैक्टीरिया से मिलकर बनता है।

उलटी और पेट में ऐंठन होने की आशंका

ब्रिटेन की फूड स्टैंडर्ड्स एजेंसी ने कहा कि यह जहरीला पदार्थ पकाने, उबलते पानी का उपयोग करने या शिशु दूध बनाने पर भी निष्क्रिय या नष्ट नहीं होता है। यह फ़ूड पॉइजनिंग के लक्षण पैदा कर सकता है जो जल्दी विकसित हो सकते हैं और इनमें उल्टी और पेट में ऐंठन शामिल हैं। नेस्ले ने उन उत्पादों के बैच नंबर जारी किए हैं जो विभिन्न देशों में बेचे गए थे और जिन्हें इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कंपनी ने कहा कि वे सप्लाई में रुकावट को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी ने साथ ही बताया कि उन्हें नीदरलैंड्स की एक फैक्ट्री में इस संभावित खतरे का पता चला था। डच फ़ूड सेफ्टी अथॉरिटी ने कहा कि नेस्ले की जांच से पता चला है कि यह दूषित कच्चा माल कई प्रोडक्शन साइटों पर इस्तेमाल किया गया था। इनमें नीदरलैंड के बाहर की फैक्ट्रीज भी शामिल हैं।

दिल्ली में आधी रात मस्जिद के पास से अतिक्रमण हटाया

पुलिस-एमसीडी अमले पर पथराव

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में रामलीला मैदान के पास मस्जिद और कब्रिस्तान से सटी जमीन से देर रात करीब 1 बजे अतिक्रमण हटाया गया। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर एमसीडी ने 17 बुलडोजर से यहां बने बारात घर, डायग्नोस्टिक सेंटर, दुकानों को ढहाया। तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास जब इस कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा था, तब भीड़ ने कर्मचारियों और पुलिस पर पथराव किया। भीड़ बैरिकेडिंग तोड़ कर कार्रवाई रोकने पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर उसे खदेड़ दिया।

सहारनपुर में नमाज पढ़ने को लेकर संघर्ष

सहारनपुर। नागल थाना क्षेत्र के गांव नोजली दनियालपुर में नमाज अदा करने को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते ईंट-पत्थरबाजी में बदल गया। जिससे गांव में खलबली मच गई।इस दौरान महिला समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम बोले- हर गरीब को रोजगार हमारा लक्ष्य

'जीरामजी' कानून पर प्रदेशभर में चलेगा जागरुकता अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी मनरेगा की जगह लाए गए जीरामजी कानून को लेकर प्रदेशभर में जागरुकता अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने आज मीडिया को इसकी जानकारी दी।

सीएम ने कहा कि जीरामजी योजना हर गरीब को रोजगार देने और उसकी गरिमा का सम्मान करने के लिए लाई गई है। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांवा तैयार करना है। यह पूरा बिल महात्मा गांधी की भावना के अनुरूप है और राम राज्य की स्थापना के लिए लाया गया है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में मनरेगा में कोई पारदर्शिता नहीं थी। कांग्रेस सरकारों ने देश के 600 संस्थानों, योजनाओं, पुरस्कारों के नाम गांधी परिवार के नाम पर रखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने या किसी के नाम पर योजना का नामकरण नहीं किया, बल्कि इसे सेवा से जोड़ा।

अब ग्रामीण रोजगार योजना में रियल टाइम डेटा अपलोड होगा। GPS के माध्यम से मोबाइल मॉनिटरिंग होगी। AI के द्वारा फ्रॉड का पता चलेगा। इससे सही लाभार्थियों को काम मिलेगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। पत्रकारवार्ता में मौजूद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2027 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वर्ष 2026 की जो प्राथमिकताएं तय की गई हैं, वही हमारा भी लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक पहुंचे और जनता को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए सरकार और संगठन मिलकर काम करेंगे।

इंदौर में दूषित पानी से मरने वालों की संख्या 20 हुई

इंदौर, एजेंसी

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों की संख्या 18 से बढ़कर 20 हो गई है। सरकार ने हाईकोर्ट में पेश की रिपोर्ट में सिर्फ चार मौतें मानी थीं जिसमें अब दो नाम और जोड़े गए हैं। हालांकि 18 मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख की सहायता दी जा चुकी है।

अधिकारियों का कहना है कि दूषित पानी से भले ही 6 लोगों की मौत हुई है, लेकिन जहां भी मौत की सूचना मिल रही है, वहां क्रॉस चेक कर आर्थिक सहायता दी जा रही है। बुधवार को आईसीयू में 16 मरीजों के भर्ती होने की जानकारी सामने आई है। इनमें से 3 वेंटिलेटर पर हैं। इससे पहले सोमवार को 15 और रविवार को 7 मरीज आईसीयू में भर्ती थे। इतनी मौतों के बाद लोग अब डरे-सहमे हैं। इलाके में बड़ी संख्या में बोरिंग का यूज बंद कर दिया है। स्थानीय रहवासी टैंकरों और आरओ के पानी पर निर्भर हैं। इस बीच अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या में कमी आई है। अब तक 429 लोग भर्ती हुए थे। जिनमें से मंगलवार शाम तक की स्थिति में 330 डिस्चार्ज हो चुके हैं। यानी अब सिर्फ 99 मरीज ही एडमिट हैं।

सरकार की लिस्ट में 8 नाम, 18 को मिल चुका है 2-2 लाख मुआवजा

इधर, आज बुधवार को महिला कांग्रेस पूरे प्रदेश में एकसाथ प्रदर्शन कर रही है। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने बताया कि पूरे प्रदेश में एकसाथ शाम को कैंडल मार्च निकालेंगे।

रोजाना हो रहा निरीक्षण

कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने बुधवार को भी भागीरथपुरा क्षेत्र की बस्तियों और कॉलोनी का निरीक्षण किया। इस दौरान सीवरेज और नर्मदा पाइपलाइन के लीकेज सुधार के कामों का जायजा लिया और दिशा निर्देश दिए। स्थानीय रहवासियों से भी वाटर सप्लाई को लेकर जानकारी ली गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हम कुत्तों का मूड नहीं समझ सकते, उन्हें सड़कों से हटाना ही होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई हुई। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, बात सिर्फ काटने की नहीं है, कुत्तों से खतरा भी होता है। दुर्घटनाओं का खतरा। आवारा कुत्तों से सड़कें खाली रखनी होंगी। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे कि सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है। बहस में आवारा कुत्तों के पक्ष में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- 'आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं।' कपिल सिब्बल ने कहा कुत्ते ने किसी को काटा है, तो आप एक सेंटर को कॉल करें, उसे ले जाएगा, नसबंदी की जाएगी और उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा। जस्टिस मेहता ने कहा, 'हम केवल यह निगरानी करने की कोशिश कर रहे हैं कि नियमों और कानूनों का पालन हो रहा है या नहीं, जो अभी तक नहीं हुआ है। जिन राज्यों ने जवाब नहीं दिया है, उनके खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

मौलाना तौकीर रजा का बेटा हिरासत में

शाहजहांपुर, एजेंसी

यहां बरेली के इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिलप्रमुख मौलाना तौकीर रजा के बेटे फरमान रजा की कार के एक्सीडेंट के बाद पुलिस को कार से एक संदिग्ध बैग बरामद हुआ, जिसमें ड्रग्स (क्रिस्टल) और एक सिरिंज बरामद हुई है। पुलिस ने फरमान को हिरासत में ले लिया है। गौरतलब है कि तौकीर रजा खुद भी बरेली दंगा मामले में जेल में बंद हैं। शाहजहांपुर में बरेली के मौलाना तौकीर रजा के बेटे की गाड़ी से पुलिस को ड्रग्स मिला, जिसके बाद पुलिस ने तौकीर रजा के बेटे को हिरासत में ले लिया।

मेट्रो एंकर | **किराए के घर में देखा था दीपक कांडपाल ने सेना की वर्दी पहनने का सपना**

ड्राइवर का बेटा बना एनडीए का टॉप कैडेट, मिला प्रेसिडेंट्स मेडल

देहरादून, एजेंसी

देवभूमि उत्तराखंड के एक छोटे से गांव से आने वाले दीपक कांडपाल ने किराए के घर में सपनों का महल तैयार किया था। बचपन से सिर्फ एक ही लक्ष्य था कि सेना की वर्दी पहननी है। आज दीपक का वह सपना हकीकत बन गया है। वो भी ऐसी हकीकत जिसपर न सिर्फ दीपक के परिवार बल्कि पूरे देश को गर्व है। उनकी सक्सेस स्टोरी आज उन युवाओं के लिए प्रेरणा से कम नहीं है जो गांव-देहात में सीमित संसधानों के बावजूद देश सेवा का जज्बा रखते हैं।

दीपक कांडपाल को दिसंबर 2025 में हुई नेशनल डिफेंस एकेडमी की 149 वीं पासिंग परेड आउट में प्रतिष्ठित राष्ट्रपति गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। चीफ ऑफ द नेवल स्टाफ, एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने दीपक को एनडीए का सर्वोच्च समान दिया। तीन साल की टफ ट्रेनिंग के दौरान अपनी शैक्षणिक, शारीरिक और नेतृत्व संबंधी सभी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ परफॉरमेंस के लिए उन्हें 2025 बैच के सर्वश्रेष्ठ कैडेट के रूप में सम्मानित किया गया है। यह क्षण न सिर्फ दीपक और उनके परिवार के लिए, बल्कि बागेश्वर जिले के गरुड़ कस्बे के लिए गर्व से भरा था।

पिता ने टैक्सी चलाकर पढ़ाया

दीपक के पिता जीवन चंद्र कांडपाल एक टैक्सी ड्राइवर हैं। परिवार बागेश्वर जिले के गरुड़ कस्बे में किराए के मकान में रहता है, जहां दीपक ने भारतीय सेना की वर्दी पहनने का सपना देखा था। आर्थिक तंगी के बावजूद पिता ने जहां तक हो सका बेटे की पढ़ाई में मदद की। बेटे ने भी अपने दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से पिता का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। दीपक ने 8वीं क्लास तक की पढ़ाई गरुड़ के सेंट एडम्स पब्लिक स्कूल से की। इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यलाय, गगरिगोल से उन्होंने 9 वीं से 12वीं तक की पढ़ाई की। 12वीं बोर्ड परीक्षा में दीपक ने पूरे जिले में टॉप किया था। उनका सपना एनडीए में जाने का था। इसलिए उन्होंने अपना पूरा फोकस यूपीएससी के एनडीए एग्जाम पर लगा दिया।

तीन साल की टफ ट्रेनिंग

12वीं में अच्छे नंबरों से पाने होने के बाद दीपक को आसानी से दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिला मिल गया। यहां से उन्होंने यूपीएससी एनडीए एग्जाम कोचिंग ली। कॉलेज की पढ़ाई के साथ एनडीए की तैयारी करना आसान नहीं था, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। जुनून और कड़ी मेहनत रंग लाई, साल 2022 में एनडीए एग्जाम क्रैक कर लिया। एनडीए की तीन साल की टफ ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने हर कदम पर अपना बेस्ट दिया जिसके चलते उन्हें एनडीए के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। उन्हें नेवी चीफ एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी से प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल मिला।

सूखी पत्तियों के ढेर में दब गए प्लांट

शो-पीस बने बॉयो-टायलेट्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल को स्वच्छता सर्वे में सिरमौर बनाने के लिए नगर निगम ने लाखों रुपये की लागत से जो 'बॉयो' तकनीक आयात की थी, वह आज भ्रष्टाचार और बदहाली की भेंट चढ़ चुकी है। इंदौर की ब्रिक एन बांड इंफ्राकान कंपनी के साथ मिलकर शहर के पांच प्रमुख स्थानों बोट क्लब, म्यूजिकल फाउंटेन, सेल्फी प्वाइंट, संत नगर और कोलार पर बॉयो-टायलेट्स व बॉयो-गैस प्लांट लगाए गए थे, लेकिन हकीकत यह है कि तकनीक तो आई, पर सिस्टम इसे संभालना भूल गया।

नतीजतन, आज ये प्लांट सूखी पत्तियों के ढेर में दबे हैं और टायलेट्स कबाड़ बन चुके हैं। नगर निगम ने इस प्रोजेक्ट का जिम्मा इंदौर की कंपनी को सौंपा था। अनुबंध के मुताबिक कंपनी को ही इनका संचालन और मेंटेनेंस करना था, लेकिन सूत्रों की मानें तो कंपनी के कर्ताधर्ता छह महीने के भीतर ही काम छोड़कर भाग गए। ये प्लांट सिर्फ स्वच्छता सर्वे में नंबर पाने के लिए आनन-फानन में लगाए गए थे। बोट क्लब पर पड़ताल में सामने आया कि टायलेट्स के भीतर पान-मसाले के पाउच और गंदगी का अंबार है। टोटी और नल गायब हैं और केवल खाली टंकियां शो-पीस बनी खड़ी हैं। करोड़ों के इस प्रोजेक्ट को कबाड़ में तब्दील कर दिया है।

सेंसर फेल, बदबू का पहरा

इन बॉयो-टायलेट्स की खासियत यह है कि इनकी स्मार्ट सेंसर प्रणाली और बॉयो-डाइजेस्टर टैंक था, जिसे सीवेज लाइन की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन आज बोट क्लब जैसे पर्यटन स्थलों पर ये टायलेट्स अंधेरे और गंदगी के टापू बन गए हैं। सेंसर गायब हैं, दरवाजे खुले और टूटे रहते हैं और पानी का कनेक्शन तक काट दिया गया है। यह तकनीक अब सुविधा के बजाय केवल बदबू फैलाने का जरिया बनकर रह गई है।

जिनके नाम छूटे अब उनकी सुनवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नो-मैपिंग मामलों की सुनवाई के लिए 85 कोर्ट गठित की गई हैं। हर वार्ड कार्यालय को सुनवाई केंद्र बनाया गया है, जहां प्रतिदिन दो-दो घंटे सुनवाई हो रही है। लोग दस्तावेज लेकर पहुंच रहे हैं। अफसरों से कह रहे हैं हम भी भारतीय हैं। पहले दिन करीब 4 हजार से अधिक मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए, लेकिन इनमें से 2 हजार से कम मतदाता ही सुनवाई में पहुंचे। प्रत्येक सुनवाई अधिकारी को औसतन 50 मतदाताओं के मामलों की जिम्मेदारी सौंपी है। एसआईआर के दूसरे चरण में नो-मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को नोटिस देने की प्रक्रिया जारी है।अब तक 6 हजार 221 मतदाताओं को नोटिस डिलीवर किए जा चुके हैं, जबकि 2 हजार 830 मतदाताओं के दस्तावेज अपलोड किए गए हैं। जो मतदाता निर्धारित समय पर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए, उन्हें दो और अवसर दिए जाएंगे।

10 को भोपाल में मौजूद रहेंगे प्रबंधन सलाहकार

डेढ़ हजार इंजीनियरों की क्षमता बढ़ाने कराएंगे फ्रेमवर्क ट्रेनिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में लोक निर्माण विभाग के डेढ़ इंजीनियरों को एक बार फिर प्रशिक्षण के लिए एक साथ बुलाने की तैयारी है। विभागीय मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर 10 जनवरी को प्रदेश के डेढ़ इंजीनियरों की रवींद्र भवन में केपेसिटव बिल्डिंग फ्रेमवर्क पर ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसमें प्रबंधन सलाहकार विक्रांत सिंह तोमर इंजीनियरों को केपेसिटव बिल्डिंग फ्रेमवर्क पर संबोधित करेंगे। इसके साथ सड़क व हाईवे प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल होने वाला हाइब्रिड एनुएटी मॉडल (एचएएम) की भी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें सिखाया जाएगा कि कैसे पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर काम किया जाता है। इसमें बताया जाएगा कि कैसे ठेकेदारों को समय पर भुगतान हो। बैंकों को लोन देने का भरोसा कैसे दिलाया जाए। सरकार पर एकमुश्त बोझ नहीं पड़े, इसके लिए क्या कर सकते हैं। इसमें ट्रेनिंग प्रोग्राम में प्रत्येक परिक्षेत्र से 100 इंजीनियर, जिनमें चीफ इंजीनियर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, एसडीओ और सब इंजीनियर शामिल रहेंगे। वहीं चीफ इंजीनियर ब्रिज परिक्षेत्र भोपाल से 150 इंजीनियर, चीफ इंजीनियर राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल से 100 इंजीनियर, चीफ इंजीनियर भवन पीआईयू से 350 इंजीनियर, एमपीआरडीसी से 100 इंजीनियर और एमपी बिल्डिंग डेवलपमेंट कार्पोरेशन से 100 इंजीनियर शामिल होंगे।

इधर, इंजीनियर ट्रेनिंग से दूरी बनाने की तैयारी में

हालांकि इस दिन कई इंजीनियरों के द्वारा इससे दूरी बनाए जाने की भी तैयारी है। यह लोग औचक निरीक्षण को लेकर बुधवार को विभाग के प्रमुख सचिव से मिलने की तैयारी में है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल इंजीनियरों का कहना है कि यदि हमारी बातें नहीं मानी गई तो हम ट्रेनिंग में तो आएंगे, लेकिन शामिल नहीं होंगे।

कर्मचारी 'हल्ला बोल' आंदोलन 1 फरवरी को

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लाखों आउटसोर्स एवं अस्थायी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले पदाधिकारियों की बैठक बीते दिनों हुई। इसमें नौकरी की सुरक्षा और सम्मानजनक वेतन को लेकर आंदोलन के निर्णायक चरण की घोषणा की गई। तय किया गया कि हल्ला बोल आंदोलन 1 फरवरी को होगा। युवा आउटसोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह ने की, जबकि ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स एवं अस्थायी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। अस्थिर सेवा-शर्तों, वेतन में असमानता, ठेका एजेंसियों की मनमानी, प्रशासनिक उपेक्षा व सुरक्षा मानकों के अभाव जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया। वक्ताओं ने कहा कि यह वर्ष कर्मचारियों के लिए 'करो या मरो' की स्थिति वाला होगा, क्योंकि सरकार 2027 तक आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय कर चुकी है। बैठक में 1 फरवरी को 'हल्ला बोल' आंदोलन करने और मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने का फैसला लिया गया।

इंटरनेशनल सिंधी सम्मेलन 9 से, गडकरी होंगे शामिल

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

विश्व सिंधी सेवा संगम का 8वां इंटरनेनल सिंधी सम्मेलन भोपाल में 9 से 11 जनवरी तक होगा, जिसमें केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि होंगे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शाहनवाज़ हुसैन, प्रदेश के सहकारिता मंत्री विवास सारंग, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, राजस्थान विधान सभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी व पांच सिंधी विधायक श्रीचंद कृपलानी, भगवानदास सबनानी, अशोक रोहाणी, कुमार आयलानी एवं पायल कुकरानी विशेष अतिथि होंगे। विजय पाहूजा ने बताया कि भोपाल में होने वाले तीन दिवसीय इस विश्व सिंधी सम्मेलन में सिंधी भाषा, कला, साहित्य संस्कृति के समुचित उत्थान, सिंधियों में आपसी एकता को सुदृढ़ करने पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा समूहों में आपसी चर्चा की जाएगी। भारत के अलावा विश्व के सिंधियों के मुद्दों पर मंथन होगा।

संतनगर में हिंदू सम्मेलन 10 को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में सांई बस्ती में 10 जनवरी को होने वाले हिन्दू सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार को बैठक हुई। इसके बाद आरा मशीन रोड, राजेंद्र नगर, इंदिरा नगर में घर- घर जाकर जाकर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने लोगों को सम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया। सभी से 10 जनवरी को साधु वासवानी स्कूल में शाम बजे आने का आग्रह किया गया। निमंत्रण देने वालों में भाजपा नेता महेश खटवानी व अन्य भी शामिल थे।

कोहरे के बीच तापमान में बदलाव

भोपाल। राजधानी में तेज ठंड और कोहरे का असर जारी है। बुधवार तड़के न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को यह 3.8 डिग्री था।

स्कूलों में शिक्षकों के 99 हजार पद खाली

अभ्यार्थी बोले-भर्ती प्रक्रिया को लेकर दूर हो असमंजस

भोपाल। प्रदेश में शिक्षक भर्ती की रफ्तार पर सवाल लगातार गहराते जा रहे हैं। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की चयन प्रक्रिया शुरू हुए एक साल से अधिक समय हो चुका है, लेकिन अब तक नियुक्तियों का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। जहां इस भर्ती के लिए पात्रता परीक्षा 2023 में हुई। वहीं करीब दो साल के अंतराल के बाद चयन परीक्षा पूरी कराई गई, जिसके परिणाम सितंबर माह में घोषित किए गए, लेकिन अब तक शिक्षकों को नियुक्तियां पूरी नहीं हो सकी हैं। दिसंबर 2024 में प्रकाशित राजपत्र अनुसार प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के कुल करीब 99 हजार पद खाली थे। इनमें प्राथमिक शिक्षकों के पद माध्यमिक की तुलना में अधिक बताए गए। जबकि वर्ष 2025 की भर्ती प्रक्रिया में कुल 9882 पदों पर ही विज्ञापन जारी किया गया। यानी राजपत्र अनुसार रिक्त पदों और वास्तविक नियुक्तियों के बीच बड़ा अंतर है। सूत्रों का दावा है कि प्रदेश में इस समय 40 से 50 हजार शिक्षकों की कमी है। अभ्यर्थियों बताया नियम पुस्तिका में स्पष्ट था कि योग्यता संबंधी प्रमाण पत्र और मार्कशीट पात्रता परीक्षा तक के ही मान्य होंगे, लेकिन अब 2025 तक की योग्यता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। हिंदी और अंग्रेजी में अतिथि शिक्षक का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी संगीत के पदों के लिए चयनित हो रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि जैसे अन्य विषयों में विषय-विशेष का अनुभव अनिवार्य है, वैसे ही संगीत में भी संगीत विषय से संबंधित अतिथि अनुभव ही मान्य होना चाहिए। अब तक दस्तावेज सत्यापन की कोई स्पष्ट तिथि घोषित नहीं की गई है। जबकि बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थी हैं, जिनका डीवी अब तक हुआ ही नहीं है।

परिजनों को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा और बंद कर लिया फोन

पत्नी से हुआ विवाद तो क्लर्क ने ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के चेतक ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन पर बैंक क्लर्क ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले पत्नी से हुए विवाद के बाद वह यहां पहुंचा था। उसने परिजनों को व्हाट्सएप पर टाइप किया हुआ सुसाइड नोट भेजा, जिसमें खुदकुशी के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। बुधवार शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

एमपी नगर थाना पुलिस के मुताबिक अभिनाष जैन (35), पुत्र विमल कुमार, लाला लाजपत राय कॉलोनी, पंजाबी बाग क्षेत्र के निवासी थे। अभिनाष जैन और उनकी पत्नी रोली जैन, दोनों मैदा मील रोड स्थित एसबीआई कार्यालय में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार सुबह दोनों रोज की तरह घर से ऑफिस के लिए निकले थे। ऑफिस पहुंचने के बाद किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद अभिनाष बैंक से बाहर निकल गए। इसके बाद उन्होंने परिजनों को मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजा और आत्महत्या कर ली। एएसआई अनूप ने बताया कि अभिनाष ने परिजनों को मैसेज भेजने के बाद अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया था। सुसाइड नोट मिलने के बाद परिजन घबरा गए और तुरंत एमपी नगर पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर अभिनाष की तलाश शुरू की, वहीं परिजन भी अपने स्तर पर उन्हें ढूंढने में जुट गए। इसी दौरान मृतक के साले को चेतक ब्रिज के पास रेलवे लाइन पर भीड़ दिखाई दी। जब वह पास पहुंचे तो देखा कि रेलवे ट्रैक पर अभिनाष का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा हुआ था।

सुसाइड नोट में लिखा- जीवन में कई गलतियां हुई

अभिनाष ने अपने भाई, पिता और पत्नी को मोबाइल मैसेज के जरिए सुसाइड नोट भेजा था। मैसेज में उन्होंने लिखा कि वह अब कभी वापस नहीं आएंगे और आत्महत्या करने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि इस कदम के लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं और उनके जीवन में उनसे कई गलतियां हुई हैं।

शहर में 6 ईरानी गैंग सक्रिय

चोरी, ठगी, नकली सोना खपाना, लूट और प्रॉपर्टी कब्जाना मुख्य पेशा, सभी का सरगना राजू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के ईरानी डेरे में एक नहीं 6 से अधिक गैंग सक्रिय हैं। इस बात का खुलासा पुलिस की अब तक की जांच में हुआ है। इन सभी गैंग में कई दर्जन गुर्गे शामिल हैं। सभी गैंग अपने-अपने तरीकों में माहिर हैं। इन सभी गैंग के लीडर्स अलग-अलग हैं। इन सब लीडर्स का एक ही सरगना है राजू ईरानी, जो अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस को ईरानी डेरे से दबिश में बड़ी संख्या में मोबाइल, लैपटॉप, सीपीयू, पैनड्राइव आदि मिले हैं। इन सभी का परीक्षण कराया जा रहा है। माना जा रहा है कि इन डिवाइस का इस्तेमाल कर ईरानी चोरी के मोबाइल का सिक्योरिटी लॉक तोड़ने का काम करते थे।

काला ईरानी के काले कारोबार पर नजरें: पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि काला ईरानी निशातपुरा इलाके में लंबे समय से प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़ा है। जनता नगर कॉलोनी में उसने कई प्लॉटों को हेरफेर कर बेचा है। काला के करीबी रहीम पर भी पुलिस की नजरें हैं। करोड़ों की संपत्ति के असामी बन चुके काले ईरानी पुलिस बारीकी से तस्दीक करा रही है।

वारदातों के लिए महीनों का सफर: ईरानी डेरे में रहने वाले अपराधी चोरी, लूट, ठगी जैसी वारदातों के लिए महीनों कबीले से दूर दूसरे शहर और राज्यों में रहते हैं। इसे सफर में होना कहा जाता है। इस दौरान कबीले के युवक आपराधिक वारदातों को अंजाम देते हैं। पकड़े जाने पर भी माल को सुरक्षित कबीले तक पहुंचाने के लिए दो युवक होते हैं। सफर में जाने वाले युवकों के गिरोह के साथ हर समय दो युवक ऐसे होते हैं जो वारदात में सीधे तौर पर शामिल नहीं होते, लेकिन घटना के बाद मिले माल को लेकर सुरक्षित कबीले तक लाने की जिम्मेदारी इनकी होती है। इसके लिए कई बार आरोपी बाय रोड लग्जरी कार व बाइक से सैकड़ों किलोमीटर तक का सफर तय करते हैं।

रिश्तेदारी का भी मिलता है फायदा

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि गैंग के कई सदस्य आपस में रिश्तेदार हैं। इनके रिश्ते महाराष्ट्र और राजस्थान में बसे परिवारों से जुड़े हुए हैं, जिसकी वजह से वहां इनका नेटवर्क मजबूत बना रहा। यही कारण है कि यह गैंग दिल्ली, मुंबई, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में बेखौफ होकर वारदात करता रहा।

भोपाल के ईरानी डेरे का कुख्यात राजू कौन

भोपाल में लुटेरे, चोर और ठगों का पनाहगार ईरानी डेरा यूं ही बदनाम नहीं है, यहां रहने वाले करीब 70 परिवारों में हर एक घर में किसी न किसी का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। ये न केवल मध्य प्रदेश बल्कि देश के 12 राज्यों में आपराधिक वारदातों को अंजाम देते आए हैं। गिरोह बनाकर दूसरे राज्यों में फिल्म स्पेशल 26 की तर्ज पर नकली सेल टैक्स, कस्टम, सीबीआई और पुलिस अधिकारी बनकर लूट ठगी की वारदातें करते हैं।

मेट्रो एंकर

165 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

शिविर में बच्चों को दी गई स्वर्ण प्राशन और डिवॉर्मिंग की दवा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में एक दिवसीय स्वर्णप्राशन एवं होम्योपैथी कृमिनाशक दवा शिविर लगाया गया, जिसमें 165 बच्चे शामिल हुए, आयुर्वेदिक स्वर्णप्राशन एवं होम्योपैथी डिवॉर्मिग दवा 6 माह से 16 वर्ष तक के बच्चों को पिलाई गई एवं उनका सामान्य स्वास्थ्य परिक्षण हुआ।

डॉ. गुलाब राय टेवानी ने बताया कि पुष्य नक्षत्र दिवस के दिन आयुर्वेद में त्रिदोष को सामान्य करने के लिए बच्चों का स्वर्णप्राशन देते है तो उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) अच्छी होती है और उन्ही के साथ साथ उनको वायरल इन्फेक्शन से भी बचाया जा सकता है। षिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. धमेन्द्र सिंह ,डॉ. मोहित गौतम , डॉ. मिताली श्रीवास्तव एवं होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. आकांक्षा हिंगवासिया ने अपनी सेवाएं दीं। आयुर्वेदिक स्वर्णप्राशन बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बढ़ाता है। स्मरण शक्ति एवं बुद्धि व एकाग्रता में सुधार करता है। शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायक होने वाले सर्दी-खांसी संक्रमण से बचाव , पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है। वही होम्योपैथी कृमिनाषक (इम्युनिटी) दवा से पेट के कीड़ो से होने वाली समस्याओ से बचाव होता है। भूख न लगना ,पेट दर्द, एनीमिया जैसी समस्याओं में लाभकारी, बच्चों के वजन व पोषण स्तर में सुधार पाचन तंत्र को स्वस्थ रखती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2026 की पहली कैबिनेट की बैठक में डिजिटल प्रणाली का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ई-कैबिनेट एप्लीकेशन की शुरुआत की।

अतिक्रमण हटाने, शहर झुग्गीमुक्त करने का ब्यौरा देंगे

योजनाओं में कितना पैसा बांटा, बताएगी सरकार फाइनेंस ने विभागों से मांगे बजट भाषण के प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने प्रदेश में अलग-अलग योजनाओं में कितना पैसा एक साल में बांटा है और कितने लोगों को रोजगार देने का काम किया गया है, इसकी जानकारी देने के लिए विभागों से कहा गया है। साथ ही शहरों को झुग्गीमुक्त बनाने के लिए क्या कार्यवाही हुई है, इसकी भी जानकारी मोहन यादव सरकार राज्य के नागरिकों को आगामी बजट में देगी। विभाग यह भी बताएंगे कि अगले साल सरकार का राजस्व बढ़ाने को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? इन बिन्दुओं के साथ वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट की तैयारी में जुटे वित्त विभाग ने सभी विभागों से बजट भाषण में शामिल किए जाने वाले प्रस्तावों की जानकारी 15 जनवरी तक भेजने को कहा है। इसमें सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अफसरों से कहा गया है कि नई योजनाओं की जानकारी भी इसमें शामिल किया जाना है। इसलिए विभागवार नई योजनाओं की डिटेल भी भेजना है।

गोवंश संरक्षण, गौ-चर भूमि और अतिक्रमण हटाने पर देंगे रिपोर्ट

विभागों से कहा गया है कि बजट भाषण के लिए गौ-वंश संवर्धन एवं संरक्षण, गौ-चर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, इसकी जानकारी दी जाए। साथ ही शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए की गई कार्रवाई और कितनी भूमि तथा कितने मूल्य की भूमि अतिक्रमण से मुक्त हुई है, इसका ब्यौरा भी देना होगा। यह जानकारी 15 जनवरी से पहले भेजनी है।

यह जानकारी देंगे हर विभाग

- वित्तीय वर्ष 2024-25 की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक विभाग के कुल बजट में से कितनी राशि खर्च हुई। विभाग में संचालित योजनाओं के लक्ष्य व उपलब्धि की क्या स्थित रही।
- विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या तथा कितना पैसा खर्च हुआ, यह बताना होगा।
- मध्यप्रदेश में केन्द्र प्रवर्तित योजना एवं केन्द्रीय क्षेत्रीय योजनाओं की स्थिति व प्रगति कैसी है।
- विभाग में कौन सी नई योजनाएं शुरु की जानी है, उसका तथ्यात्मक ब्यौरा देना होगा।
- विभागों द्वारा पर्यावरण, वन, भूमि एवं जल स्रोतों का बेहतर प्रबंधन व संरक्षण के लिए किए गए काम बताने हैं।
- नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा की क्या प्रगति है, इसकी जानकारी देना है।
- जन-स्वास्थ्य, कुटीर व ग्रामोद्योगों के विकास व संरक्षण के लिए क्या कार्यवाही की गई।
- औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन, ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व की धरोहरों व पर्यटन स्थलों का संरक्षण व संवर्धन, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा के लिए क्या कार्रवाई हुई है।

शहरों को झुग्गीमुक्त बनाने पर बताएंगे कार्रवाई

वित्त विभाग ने निर्देश दिए हैं कि झुग्गीमुक्त मध्यप्रदेश के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई है, इसकी जानकारी दी जाए। इसके साथ ही सुगम ग्रामीण परिवहन, ई-परिवहन, नागरिक सुविधाओं के लिए विज्ञान एवं तकनीक के उपयोग तथा शासकीय कर्मचारियों के कल्याण के लिए की गई कार्रवाई का विवरण भी देना होगा। छोटे और मझोले उद्यमों के विकास के लिए किए गए कार्य, विशेष उपलब्धियां, नवाचार और राजस्व वृद्धि से जुड़े प्रयासों की जानकारी भी मांगी गई है। आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभागों द्वारा किए गए प्रयासों का ब्यौरा भी देना होगा।

शासकीय नियुक्तियों के पद और श्रेणीवार विवरण देंगे

विभागों को पूर्व वित्तीय वर्षों और वर्तमान वर्ष में अब तक कितने युवाओं को रोजगार दिया गया, इसकी जानकारी देनी होगी। शासकीय नियुक्तियों का पदवार, श्रेणीवार, वेतनमान सहित कुल विवरण भी प्रस्तुत करना होगा। साथ ही श्रमिक एवं प्रवासी श्रमिकों के कल्याण, थर्ड जेंडर, निराश्रित एवं बेघर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष पिछड़ी जनजातियों, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी भी देनी होगी। इसके अलावा 'विकसित भारत @2047' के लिए किए जा रहे प्रयासों और वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रावधानों पर अभिमत भी मांगा गया है।

विभागों से चर्चा के लिए बदला गया समय

वित्त विभाग ने प्रदेश के 32 विभागों के साथ विभागवार बजट प्रस्तावों पर होने वाली चर्चा के कार्यक्रम में बदलाव किया है। पहले ये बैठकें 12 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रस्तावित थीं, लेकिन अब इन्हें 19 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इन बैठकों में अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी बजट प्रस्तावों पर अपना अंतिम अभिमत देंगे।

मप्र के बड़े शहरों में जहर बन रहा पानी

अमृत 2.0 पर 5142 करोड़ खर्च, फिर भी जनता को नसीब नहीं साफ पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के चार बड़े शहरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए केंद्र सरकार ने पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक धनराशि उपलब्ध कराई लेकिन यहां के नगरीय निकाय लोगों को शुद्ध पानी नहीं दे सके। अमृत 2.0 (अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन 2.0) योजना के तहत पेयजल आपूर्ति पर 5,142 करोड़ रुपये खर्च कर दिए, फिर भी दूषित जल से इंदौर में 17 लोगों की मौत अलग ही कहानी कह रही है।

पेयजल की पाइपलाइन और सीवरेज लाइन का क्रॉस कनेक्शन

इन शहरों में जमीन के नीचे बिछी वर्षों पुरानी पेयजल की पाइपलाइन और सीवरेज लाइन का क्रॉस कनेक्शन है। कहीं-कहीं तो पेयजल की लाइन नाले-नालियों से होकर गुजर रही है। चार साल पहले शुरू हुई अमृत 2.0 योजना के तहत न तो जलप्रदाय का काम पूरा हुआ और न ही सीवरेज परियोजनाएं पूरी हो पाई हैं। इस वर्ष अमृत 2.0 की समयावधि समाप्त हो जाएगी लेकिन काम की गति को देखकर नहीं लगता कि इस वर्ष लक्ष्य पूरा किया जा सकेगा।

अमृत 2.0 योजना: एक नजर में

एक अक्टूबर, 2021 से प्रारंभ, अवधि पांच वर्ष प्रदेश के समस्त 413 नगरीय निकाय एवं पांच छावनी परिषद सम्मिलित

ये कार्य लंबित

- 4585.91 करोड़ रुपये के 253 जलप्रदाय के कार्य
- 205.88 करोड़ रुपये के 273 वॉटर बॉडी रिजुविनेशन के कार्य
- 52.11 करोड़ रुपये के हरित क्षेत्र विकास के कार्य
- 1941.72 करोड़ रुपये के सीवरेज के कार्य

ये कार्य पूर्ण

- 29.88 करोड़ रुपये के जलप्रदाय के आठ कार्य
- 66.69 करोड़ रुपये के वाटर बाडी रिजुविनेशन के 118 कार्य
- 39.07 करोड़ के हरित क्षेत्र विकास के 182 कार्य

बड़े शहरों का यह है हाल

इंदौर: नगर निगम ने 550 किमी पुरानी पेयजल लाइन को चिह्नित कर बदलने की योजना अमृत 2.0 प्रोजेक्ट के तहत बनाई लेकिन अभी तक इस कार्य के लिए कोई एजेंसी निर्धारित नहीं की गई है। इसी तरह पाइप लाइन और टंकी निर्माण के तीन पैकेज के लिए टेंडर जारी किए गए हैं, लेकिन इसमें भी एजेंसी का चयन नहीं किया जा सका है।

जबलपुर: शहर में 80 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति लाइन नाले-नालियों के नीचे से होकर गुजर रही है। पानी की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन की उम्र 40 से 50 वर्ष तक हो चुकी है। सालों से लगातार नाली-नालियों के क्षारीय पानी, धूल, मिट्टी के संपर्क में रहने से पाइपलाइनों में क्षरण चुका है। जिससे जल वितरण पाइपलाइन में लीकेज के कारण गंदगी घुल रही है।

ग्वालियर: जिले के ग्रामीण अंचल में करीब 410 नल-जल योजनाओं में से 115 ही चालू हैं। पानी के ट्रीटमेंट के लिए क्लोरीन डालने का प्रावधान है, लेकिन पंचायत स्तर पर इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

उज्जैन: जिले में जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत 569 नल-जल योजनाओं में से 561 योजनाएं पूर्ण बताई जा रही हैं, जबकि 489 योजनाओं का पंचायतों को हस्तांतरण हो चुका है। इसके बावजूद कई गांवों में नियमित जल सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है। नर्मदा-गंभीर समूह जल प्रदाय परियोजना की देरी से जिले के 914 गांवों को नर्मदा जल मिलने में कम से कम एक साल और लगेगा। तकनीकी बाधाएं और अधूरा टी-कनेक्शन कार्य मिशन की गति पर भारी पड़ रहा है।

देवास: जिले में जल जीवन मिशन के तहत 645 एकल ग्राम योजना में से 418 योजनाएं ग्राम पंचायतों को सौंपी जा चुकी हैं। इन कार्यों में भी ठेकेदारों द्वारा लेटलतीफी की गई। गुणवत्ताहीन कार्य की शिकायतें आई। अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। इस कारण योजना अब तक पूर्ण नहीं हो सकी।

बोर्ड परीक्षा के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अलग से होंगे दो पर्यवेक्षक, लेखक पर रखेंगे निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लेखक की व्यवस्था होगी और उनपर नजर रखने के लिए दो पर्यवेक्षक भी अलग से रखे जाएंगे। इसके अलावा लेखक की शैक्षणिक योग्यता विद्यार्थियों से कम होना चाहिए। जिस स्कूल का परीक्षार्थी हो,उस संस्था का लेखक नही होना चाहिए। इसके लिए मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अलग से व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिव्यांग विद्यार्थियों को लेखक सहित अन्य सुविधाओं की मांग के लिए 15 जनवरी तक मंडल को स्कूल के प्राचार्य जानकारी भेजेंगे। लेखक की शैक्षणिक योग्यता विद्यार्थियों से कम होना चाहिए। जिस स्कूल का परीक्षार्थी हो, उस संस्था का लेखक नही होना चाहिए। इसके बाद लेखक के नाम परिवर्तित नहीं किया जाएगा। विशेष परिस्थिति में ही केंद्राध्यक्ष यदि आवश्यक समझें तो लेखक बदलने की अनुमति देकर इसकी सूचना मंडल मुख्यालय को भेजना होगा।

परीक्षार्थी व लेखक के बैठने के लिए केंद्राध्यक्ष अलग व्यवस्था करें, ताकि अन्य परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो। दो अलग पर्यवेक्षकों की व्यवस्था की जाएगी,जो यह देखेंगे कि लेखक वही लिख रहा है जो परीक्षार्थी बोलता है। साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए जिन स्कूलों में रैंप होगा। उसी स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

प्रायोगिक परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर होंगी- दिव्यांग विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर उनका मूल्यांकन करते हुए अंक प्रदान करना है। बाह्य मूल्यांकनकर्ता द्वारा उनके प्रश्न तैयार किए जाएंगे। इन विद्यार्थी को कंप्यूटर,टाइप राइटर के अलावा अतिरिक्त समय भी मिलेगा। इन्हें प्रति घंटा 20 मिनट के हिसाब से एक घंटे का अतिरिक्त समय मिलेगा।

दिव्यांग की श्रेणी में ये होंगे शामिल

दिव्यांग की श्रेणी में दृष्टिहीन, कम दृष्टि, मानसिक विकलांग एवं हाथ की हड्डी टूट जाने या हाथ की खराबी के कारण लिखने में असमर्थ विद्यार्थियों को लेखक चयन, विषय चयन, अतिरिक्त समय, कंप्यूटर या टाइप रायटर चयन की सुविधाएं प्रदान किए जाएंगे। साथ ही लेप्रोसी से पीड़ित मरीज,एसिड अटैक पीड़ित,सेरिब्रल पालिसी,श्रवण बाधित, पार्किंसन से पीड़ित व मानसिक रूप से बीमार सहित करीब 22 प्रकार की गंभीर बीमारियों को दिव्यांग की श्रेणी में रखा गया है।

मंत्री परमार ने नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय अकोदिया एवं सुन्दरसी के भवनों में कक्षाएं कराई शुरू, बोले

सरकारी स्कूलों को आधुनिक - गुणवत्तापूर्ण बनाना है उद्देश्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने लगभग 43 करोड़ 15 लाख रूपये लागत से नव निर्मित महाराणा प्रताप सांदीपनि विद्यालय अकोदिया एवं लगभग 38 करोड़ 7 लाख रूपये लागत से नव निर्मित मिहिर भोज सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुन्दरसी (सुन्दरगढ़) के भवनों में कक्षाएं प्रारंभ करायी। अब इन सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालयों में कक्षा अरूण, उदय से लेकर कक्षा 12वी तक के कक्षाएं संचालित होगी,? इनमें आसपास के क्षेत्र के विद्यालयों के बच्चें अध्ययन कर सकेंगे।

मंत्री श्री परमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की तुलना में अधिक आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाना है, इसी को दृष्टिगत रखते हुए पूरे प्रदेश में लगभग 358 सांदीपनि विद्यालय बनाये जा रहे हैं। शाजापुर जिले में 19 सांदीपनि विद्यालय स्वीकृत हैं, जिनमें से 06 सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका हैं। साथ ही प्रदेश का सर्वप्रथम सांदीपनि विद्यालय शाजापुर जिले के गुलाना तहसील में स्थापित हुआ था। इन सभी विद्यालयों में भी शीघ्र ही कक्षाएं प्रारंभ की जायेगी। उन्होंने कहा कि इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, कला और संगीत कक्ष जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं दी जा रही हैं।

एसआईआर-14 फरवरी तक चलेगी सुनवाई

हुजूर में 11,299 नोटिस, सिर्फ 454 वोटर पहुंचे, सबसे कम 67 मध्य के थे

देवास, दोपहर मेट्रो

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दूसरे चरण में नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई जारी है। यह प्रक्रिया 5 जनवरी से शुरू हुई है और 14 फरवरी तक चलेगी। इस चरण में जिले के 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं।अब तक 10 हजार 233 मतदाताओं ने नोटिस मिलने के बाद बीएलओ एप के जरिए जन्म से जुड़े दस्तावेज अपलोड कर दिए हैं।

वहीं, 1,864 मतदाता वार्ड कार्यालयों और तहसील दफ्तरों में खुद पहुंचकर दस्तावेज पेश कर चुके हैं। जिन्होंने दस्तावेज पेश नहीं किए, उनके नाम 23 फरवरी को जारी होने वाली फाइनल वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएंगे। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि तय तिथि पर उपस्थित न होने वाले मतदाताओं को एक और मौका दिया जाएगा।

आंकड़े चौंकाने वाले- जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, सात विधानसभा क्षेत्रों में कुल 48,250 नोटिस वितरित किए गए, लेकिन सुनवाई में केवल 1,864 मतदाता ही पहुंचे। यानी कुल नोटिस के मुकाबले उपस्थिति 4 प्रतिशत से भी कम रही।

देख लो सरकार, गरीब की नहीं कोई सुनवाई

ठेले पर बीमार महिला को अस्पताल ले जाने पर की मजबूरी

देवास, दोपहर मेट्रो

देवास शहर के एबी रोड पर मंगलवार दोपहर एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने राहगीरों को सोचने पर मजबूर कर दिया। एक व्यक्ति अपनी बीमार महिला परिजन को ठेले पर बैठाकर ले जाता दिखाई दिया। तेज धूप और व्यस्त सड़क के बीच यह तस्वीर सामाजिक संवेदनाओं और व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती नजर आई। मौके से गुजर रहे लोगों और मीडिया कर्मियों ने जब व्यक्ति से कारण पूछा, तो उसका जवाब था कि गरीब की कोई सुनवाई नहीं होती।

जानकारी के अनुसार, न्यू देवास निवासी यह व्यक्ति महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले गया था। उसके पास ऑटो या अन्य साधन के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए मजबूरी में उसने ठेले का सहारा लिया। व्यक्ति ने बताया कि महिला की तबीयत खराब थी और अस्पताल पहुंचाना जरूरी था, इसलिए किसी तरह ठेले पर बैठाकर उसे वहां तक ले गया।

सिर्फ दवाइयां लेने गया था अस्पताल- बाद में सामने आया कि महिला को अस्पताल में डॉक्टर को दिखाना नहीं था, बल्कि केवल दवाइयां लेनी थीं। इसी बीच जब इस मामले को लेकर अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उनका कहना था कि संबंधित व्यक्ति ने न तो एंबुलेंस को कॉल किया और न ही किसी अन्य सहायता के लिए संपर्क किया। अधिकारियों के मुताबिक, केवल दवाइयां लेने के लिए महिला को अस्पताल लाना आवश्यक नहीं था।

भाजपा नेता ने दिखाई संवेदनशीलता

इसी दौरान एबी रोड से गुजर रहे भाजपा नेता सुमेर सिंह दरबार भी यह दृश्य देखकर रुके। उन्होंने व्यक्ति से महिला को ठेले पर ले जाने का कारण पूछा और पूरी स्थिति जानी। बातचीत के बाद उन्होंने संबंधित व्यक्ति को आर्थिक सहायता दी, जिससे भविष्य में उसे ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े। यह घटना भले ही कुछ देर की रही हो, लेकिन इसने गरीबों की मजबूरी, जानकारी के अभाव और सामाजिक सहयोग की जरूरत को उजागर कर दिया। सवाल यह भी उठता है कि जरूरतमंदों तक सरकारी और सामाजिक सहायता समय पर क्यों नहीं पहुंच पाती।

न्याय की 'इमरजेंसी'

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत का यह कहना कि बीमार व्यक्ति को जैसे मेडिकल इमरजेंसी के अनुसार तुरंत इलाज मिलना चाहिए, वैसे ही वंचितों और गरीबों को अदालतों से सतत और शीघ्र न्याय मिलना चाहिए- भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एक गहरी आत्मचिंतन की पुकार है। यह कथन केवल संवेदना नहीं, बल्कि उस कठोर सच्चाई की याद दिलाता है कि न्याय में देरी आज भी न्याय से वंचित होने का सबसे बड़ा कारण बनी हुई है। भारत में न्यायिकसंकट को अक्सर जजों की कमी से जोड़ दिया जाता है। निस्संदेह यह एक वास्तविक समस्या है, लेकिन इससे भी बड़ी चुनौती अदालतों के समय और प्रक्रियाओं का अनुशासनहीन उपयोग है।

क्या मौजूदा जजों की संख्या के बावजूद बेहतर न्याय संभव नहीं? यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्षों से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबी और अनियंत्रित बहसें एक चलन बन चुकी हैं। तीन वर्ष पहले जस्टिस संजय किशन कौल ने इसी प्रवृत्ति पर कड़ा प्रहार किया था, पर चेतावनियों के बावजूद स्थिति बदली नहीं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव भारत के लिए आईना है। अमेरिका जैसे देशों में वकीलों को सीमित समय में अपनी दलीलें रखनी होती हैं। ऐतिहासिक मामलों में भी बहस और फैसले संक्षिप्त रहते हैं। इसके उलट भारत में बहस जितनी लंबी होती जाती है, फैसले उतने ही भारी-भरकम बनते जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) इस संदर्भ में एक साहसिक पहल है। सीमित पन्नों की सिनॉप्सिस, बहस के समय का पूर्व निर्धारण और सुनवाई के बेहतर प्रबंधन का उद्देश्य स्पष्ट है- अदालतों को अधिक प्रभावी बनाना। लेकिन असली परीक्षा इसके क्रियान्वयन की होगी। यदि सीनियर वकीलों की लंबी बहसों पर सख्ती नहीं हुई और 'वीआईपी सिंड्रोम' पर लगाम नहीं लगी, तो यह सुधार भी कागजी बनकर रह जाएगा। आज देश की अदालतों में 5.41 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें सबसे बड़ा बोझ जिला अदालतों पर है। सुप्रीम कोर्ट का कीमती समय जमानत, स्थानांतरण और मामूली विवादों में खर्च होना यह दर्शाता है कि न्यायिक प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार जरूरी है। सर्वोच्च अदालत को संवैधानिक व्याख्या के अपने मूल दायित्व पर लौटना होगा, और निचली अदालतों को सशक्त किए बिना यह संभव नहीं। यदि बहस की समयसीमा का सख्ती से पालन हो और फैसले सरल हों, तो न केवल न्यायिक अनुशासन बढ़ेगा, बल्कि मुकदमों की संस्कृति पर भी अंकुश लगेगा। अंततः सवाल यही है- क्या भारतीय न्याय व्यवस्था न्याय को आपातकालीन जरूरत की तरह देखने के लिए तैयार है?

वेनेजुएला संकट : निरंकुश अमेरिका और वैश्विक कानूनों का लगातार हनन

ललित गर्ग
स्तंभकार

वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था वास्तव में नियम-कानूनों से संचालित होती है या फिर ताकतवर राष्ट्रों की इच्छा ही वैश्विक न्याय का नया मानदंड बन चुकी है। निश्चित तौर पर वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला महाशक्तियों की निरंकुशता को दर्शा ही रहा है, यह वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण भी है, जो अमेरिकी दादागिरी का त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण संकेत है, वह केवल लैटिन अमेरिका तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि समूची दुनिया के लिये एक खतरनाक मिसाल है। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति को गिरफ्तार किया है, उससे जुड़े कूटनीतिक, राजनीतिक और अन्तराष्ट्रीय कानून संबंधी सवाल जो खड़े हुए ही हैं, पर अमेरिका को हस्तक्षेप का अवसर देने के लिये मादुरो की नीतियां भी चर्चा में आई हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की वजहें हो सकती है, लेकिन ट्रंप को यह तो सुनिश्चित करना ही होगा कि यह राष्ट्र अस्थिरता का अड्डा न बन जाये।

अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को वैश्विक शांति का मसीहा घोषित करते नहीं थकते, लेकिन उनकी नीतियां और कार्रवाइयाँ बार-बार युद्ध, हस्तक्षेप और सत्ता परिवर्तन की मानसिकता को उजागर करती हैं। यह वही अमेरिका है जो एक ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और संप्रभुता की दुहाई देता है, तो दूसरी ओर एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। इस तरह की दोहरी नीतियां केवल विडंबनापूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक शांति के लिये घातक है। वेनेजुएला संकट को केवल मादुरो बनाम अमेरिका के टकराव के रूप में देखना वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। इसमें संदेह नहीं कि मादुरो सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन, दमनकारी नीतियों, चुनावी अनियमितताओं और मानवाधिकार हनन जैसे गंभीर आरोप रहे हैं। लाखों वेनेजुएलावासी देश छोड़ने को मजबूर हुए, अर्थव्यवस्था चरमरा गई और जनता त्रस्त हुई। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि किसी देश की आंतरिक विफलताओं को आधार बनाकर बाहरी सैन्य हस्तक्षेप को वैध ठहराना अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की आत्मा के विरुद्ध है। यदि यही मापदंड हो, तो दुनिया के अनेक देशों में बाहरी हस्तक्षेप का अंतहीन सिलसिला शुरू हो सकता है।

दरअसल, वैश्विक कूटनीति के जानकारों का मानना है कि वेनेजुएला के मामले में अमेरिका की असली चिंता न लोकतंत्र है और न ही मानवाधिकार, बल्कि वहां के विशाल तेल भंडार हैं। वेनेजुएला विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक पर बैठा देश है और ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की अमेरिकी भूख कोई नई बात नहीं है। इराक, लीबिया और अफगानिस्तान इसके उदाहरण हैं, जहां 'लोकतंत्र स्थापना' के नाम पर हस्तक्षेप हुआ, लेकिन परिणामस्वरूप अस्थिरता, गृहयुद्ध और मानवीय संकट ही पैदा हुआ। ट्रंप का यह बयान कि मादुरो को पकड़ने के अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, इस पूरे घटनाक्रम की मंशा को बेनकाब करता है। यह कथन स्पष्ट करता है कि यह कार्रवाई न्याय या नैतिकता से नहीं, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण की साम्राज्यवादी सोच से प्रेरित है। किसी देश के प्राकृतिक संसाधनों पर इस तरह दावा करना उपनिवेशवादी मानसिकता का आधुनिक संस्करण है।

इस अमेरिकी कार्रवाई के भू-राजनीतिक परिणाम भी गहरे और दूरगामी होंगे। रूस और चीन ने इसे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये गंभीर खतरा बताया है। मादुरो के आलोचक रहे कुछ अमेरिकी सहयोगी देश भी अब खुलकर चिंता जता रहे हैं। यह संकट वैश्विक ध्रुवीकरण को और तेज कर सकता है। विशेष रूप से चीन को इस घटनाक्रम से अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं, विशेषकर ताइवान पर अमेरिकी आलोचना को कमजोर करने का अवसर मिल सकता है। यदि अमेरिका स्वयं संप्रभुता का उल्लंघन करता है, तो वह दूसरों को किस नैतिक आधार पर संयम की सलाह देगा?

वेनेजुएला का संकट पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी है। यह बताता है कि आज भी शक्ति-राजनीति मानवता, शांति और कानून से ऊपर रखी जा रही है। जरूरत इस बात की है कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस तरह के एकतरफा हस्तक्षेपों का विरोध करे और संवाद, कूटनीति तथा बहुपक्षीय समाधान को प्राथमिकता दे। किसी भी देश में सत्ता परिवर्तन का निर्णय वहां की जनता को करना चाहिए, न कि विदेशी सेनाओं को। अंततः, अमेरिका को यह समझना होगा कि किसी 'निरंकुश शासक' को हटाना शायद सैन्य शक्ति से संभव हो जाए, लेकिन किसी देश को स्थायी शांति, स्थिरता और समृद्धि देना केवल टैंकों और बमों से नहीं हो सकता। इसके लिये धैर्य, संवेदनशीलता और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान आवश्यक है। यदि अमेरिका वास्तव में वैश्विक शांति का पक्षधर है, तो उसे अपनी दोहरी नीति त्यागनी होगी। अन्यथा, वेनेजुएला जैसी घटनाएँ बार-बार दोहराई जाएंगी और दुनिया एक और अस्थिर, असुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ती जाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

किफायतीपन एक विकल्प, उपभोक्ता संस्कृति में 'पर्याप्त' कोई संख्या नहीं, हमारी सोच है

गिरीश्वर मिश्र
महात्मा गांधी हिन्दी विवि के पूर्व कुलपति

हर कोई अपने लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना चाहता है ताकि हर स्थिति का मुकाबला किया जा सके और इस बात की दौड़ लगी रहती है कि थोड़ा और हो जाता तो अच्छा होता। पर पर्याप्त की मरीचिका आगे-आगे भागती है और हम पीछा ही करते रहते हैं। आम आदमी की जिंदगी में अकसर ऐसी परिस्थिति आती रहती है जब सामने कोई नए मॉडल का फोन या कार, शर्ट या बैग या फिर कुछ भी नया लिए सजा-धजा दिखता है। इसे देख हमें भी लगता है कि वह सब मेरे पास भी हो । एक बार मेरे सामने भी एक युवा एक नए मॉडल के फोन के साथ फोटो खींच रहा था। मेरे मन में भी हिलोर उठी और मुझे लगा कि मेरे पास भी यह फोन होना चाहिए । फिर मैंने अपनी इच्छा पर किसी तरह काबू पाया। मेरे पास दो साल बाद भी आज अपना पहले वाला ही फोन है और वह ठीक काम कर रहा है और मैं खुश भी हूं । अब एक दूसरी घटना लीजिए । पिछले साल मैंने एक आई पैड खरीदा । सोचा था इससे लिखने-पढ़ने का काम और अच्छी तरह और सुविधापूर्वक कर सकूँगा । पर आई पैड के आने के बाद मेरे काम धाम में कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। ज्यादातर समय वह आई पैड पड़ा ही रहा और मैं अपने पुराने लैपटाप से ही काम करता रहा। आई पैड को दो एक बार पोंछ-पाछ कर चार्ज जरूर किया था।

ये महंगा था और अपने खर्चों में किसी तरह कतर-ब्योंत कर ही इसे खरीद पाया था। दरअसल नया फोन, नया सोफा, नया जूता या फिर कोई भी नई चीज लेने के बाद हफ्ते भर बीतते न बीतते वह चीज साधारण, बासी और पुरानी लगने लगती है। तब फिर हम उसे अपने उपयोग में नहीं लाते। ऐसा होने के बाद उसके लिए हमारी इच्छा की तीव्रता भी कम होने लगती है, वह ढलने लगती है । साथ ही बहुतेरी इच्छाओं के बीच से चुनने का अतिभार जैसा भी होने लगता है। हमारे सामने सवाल है कि इसे कैसे कम किया जाय या किफ़ायती कैसे बना जाय ? हमारे मस्तिष्क की पुरस्कार प्रणाली को अधिक जीवंत और संतोषप्रद कैसे बनाया जाय ? 'थोड़ा और' की प्रवृत्ति बताती है कि हमारा मस्तिष्क नए-नए संसाधनों को इकट्ठा करने में जुटा रहता है। आदिम मनुष्य के जीवन में भोजन इकट्ठा करने और दीर्घ जीवन के लिए यह युक्ति कारगर थी । आज के दौर में पुरस्कार की जगह बदलाव और अप्रत्याशित फायदे हमें अधिक आकर्षित करते हैं। इस व्यवस्था ने हमारे पूर्वजों को इस बात के लिए प्रेरित किया था कि वे 'बस थोड़ा सा और' पाने की जुगत में ही उलझे रहें । तब यह निश्चित ही उपयोगी था क्योंकि इससे वे अस्पष्ट और अनिश्चय की स्थिति में भी जीवन यापन कर सके थे । सुरक्षा की दृष्टि से यह जरूरी था।

आज की बात कुछ और है। हमारी दुनिया बहुत बदल चुकी है। अब वैसी असुरक्षा और अनिश्चय की स्थिति नहीं रही। 'थोड़ा और' अर्जित करने के अवसर अब हम पुराने माडल को अपग्रेड करने और अन्य चीजों के विकल्पों में बदल चुके हैं। इस बदली परिस्थिति में हम लोग जो कुछ हमारे पास पहले से है उससे जो ज़्यादा है या बढ़-चढ़ कर है उसे चाहने लगते हैं। यह नियति का खेल है कि एक समय जिस बात ने जीवन को खुशहाल बनाया था वह अब बेकार की फ़िज़ूलखर्ची और भयानक असंतोष के दुष्चक्र को जन्म दे रही है। यह तरीका उस दौर के लिए था जब परिवेश में असुरक्षा थी और उपलब्ध साधन सीमित थे। आज के अतिशय और अतिरेक के दौर के लिए वह मौजू नहीं रहा । आज सामाजिक मीडिया का भी तेजी से उभार है। हम सब लगातार किसी को अपने से अलग कुछ और करते या खरीदते देखते हैं। इस तरह का अनुभव करते हुए हम खुद को बड़ा मजबूर महसूस करने लगते हैं।

हमारे लिए 'पर्याप्त' का आशय उस चीज को पाने से होता है जो हमारे पास मौजूद चीज से बाहर होता है । ऐसे में 'कुछ और' या 'थोड़ा और' कभी प्राप्त ही नहीं हो सकता । इच्छाओं के अनुकूलन की प्रवृत्ति के चलते आदमी जल्दी ही एक स्थिर ख़ुशी के स्तर पर वापस लौट आता है। 'थोड़ा और' कभी भी पर्याप्त इसलिए नहीं लगता कि हम इच्छाओं के अनुकूलन के शिकार होते रहते हैं। यानी हमारी प्रवृत्ति है कि हम बहुत जल्द एक अपेक्षाकृत स्थायी सुख के सामान्य स्तर पर आ टिकते हैं। जीवन में बड़ी सकारात्मक या ऋणात्मक घटना के बाद जैसे लाटरी या अशक्तता का ख़ुशी या दुख पर सिर्फ़ क्षणिक प्रभाव होता है। हम फिर वापस अपने सामान्य स्तर पर वापस आ जाते हैं। यह अनुकूलन हमारी प्रतिरोध क्षमता को तो सुदृढ़ करता है पर नई उपलब्धि के रोमांच का आकर्षण तेजी से घटने लगता है। प्रत्याशा बढ़ी तो यह ऊँचा होता है और धीरे-धीरे सामान्य अवस्था पर लौट आता है।

खरीदने के पहले प्रतीक्षा करना ठीक है न कि उतावली में खरीदना । किफायती दृष्टि होने पर बेज़रूरी चीज़ों की भीड़ तथा निर्णय लेने की थकान भी कम होती है। हम अवसर पा सकेंगे ताकि यात्रा, सीखने, सामाजिक कार्य में जुट कर ख़ुशी का अनुभव कर सकें। 'अति' को मना कर समय और ऊर्जा के लिए हम 'हां' करते हैं। वस्तुओं को छोड़ने से पश्चाताप की जगह अपनी पहचान बनाते हैं । अधिक का पीछा कभी भी सुखी नहीं बना सकता । किफायतीपन वस्तुतः एक व्यावहारिक विकल्प है । स्वेच्छया शांति, अपनी खुशी से न कि बाहरी दबाव या सामाजिक प्रत्याशाओं के कारण चुनने से खुशी बढ़ती है और तनाव कम होता है । जरूरी है हम सूचना के अतिभार से बचें। भय और दूसरों से प्रतिपुष्टि की जगह आनंद और आंतरिक संतुष्टि को महत्व देना चाहिए। अपनी अनुभूतियों और वर्तमान क्रियाओं पर ध्यान देते हुए जो है उससे प्रसन्न होना चाहिए न कि जो नहीं है उसे लेकर चिंतित हों । इसके लिए सोशल मीडिया के उपयोग की सीमा बांध कर उन चीजों के लिए मना करना होगा जो आपके किसी काम की न हों। उन चीजों में लगें जो आपको प्रसन्न करती हैं यानी पढ़ना, सृजन या कहीं मन लगाना। आख़िर पर्याप्त कोई संख्या नहीं होती है, वह हमारी सोच है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

फूड कॉम्बिनेशन पर दें ध्यान, केला - पोहा, दही के साथ राजमा, करेगा नुकसान

आयुर्वेद के अनुसार हमारा पाचन तंत्र सिर्फ खाने की चीजों पर नहीं बल्कि खाने के सही कॉम्बिनेशन पर भी निर्भर करता है। कई बार हम हेल्दी समझकर कुछ चीजें साथ में खा लेते हैं लेकिन उनके अलग-अलग पचने के तरीके पेट में गड़बड़ी पैदा कर देते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सिर्फ हेल्दी खाना ही काफी नहीं है बल्कि सही तरीके से और सही कॉम्बिनेशन में खाना भी उतना ही जरूरी है। गलत फूड कॉम्बिनेशन से पाचन अग्नि कमजोर होती है और लंबे समय में पेट से जुड़ी कई समस्याओं को जन्म दे सकते हैं।

केला और पोहा : आयुर्वेद के अनुसार केला भारी और जल्दी खराब होने वाला फल है जबकि पोहा हल्का अनाज है और दोनों की पाचन गति अलग-अलग होती है। जब इन्हें साथ खाया जाता है, तो पाचन अग्नि कन्फ्यूज हो जाती है और पेट में आम बनने लगता है। इससे पेट में गैस, भारीपन और सुस्ती महसूस हो सकती है। केला अकेले खाएं या फिर भीगे हुए बादाम या अखरोट के साथ लें।

सेब और ओट्स का कॉम्बिनेशन: सेब एक हल्का और जल्दी पचने वाला फल है जबकि ओट्स भारी अनाज है और इसे पचने में ज्यादा समय लगता है। दोनों को एक साथ खाने से पाचन धीमा हो जाता है और पेट फूलने, गैस और अपच की समस्या हो सकती है। सेब को अकेले खाएं। ओट्स को बीज (जैसे अलसी, चिया) या पाचन बढ़ाने वाले मसालों के साथ खाएं।

दही और राजमा: राजमा पहले से ही भारी दाल है और दही एक फर्मेंटेड यानी खमीर वाली चीज है। दोनों को साथ खाने से पाचन पर ज्यादा बोझ पड़ता है और शरीर में आम बढ़ता है। इससे गैस, एसिडिटी और पेट दर्द की समस्या हो सकती है। राजमा को जीरा, हींग जैसे पाचक मसालों के साथ खाएं। दही को चावल या मोटे अनाज के साथ लेना बेहतर माना जाता है।

कच्चा खीरा और खिचड़ी: खिचड़ी गर्म और हल्का पचने वाला भोजन है जबकि कच्चा खीरा ठंडा होता है। दोनों को साथ खाने से खीरे की ठंडी तासीर पाचन अग्नि को दबा देती है, जिससे खाना ठीक से नहीं पच पाता। खीरे को हल्का भाप में पका कर खिचड़ी के साथ खाएं या कच्चा खीरा अलग से लें।

शहद और गर्म नींबू पानी: आयुर्वेद के अनुसार शहद को गर्म करने से उसकी प्रकृति बदल जाती है और वह पेट की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचा सकता है। गर्म नींबू पानी में शहद मिलाने से जलन, गैस और एसिडिटी हो सकती है। शहद को हमेशा गुनगुने पानी के साथ लें या फिर सिर्फ नींबू पानी पिएं, उसमें शहद न मिलाएं।

निशाना

पानी संग बेपानी लोग..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

पानी संग बेपानी लोग
कितने हैं बेमानी। लोग,
मरे बिचारे क्या करते
पी जहरीला पानी लोग,
लूट तिजौरी भर रखीं
कहलाते पर दानी लोग,
इस दुनियां से न जायेंगे
हो जाते पर फानी लोग,
गया ज़माना कब आता
खाते थे गुड़ धानी लोग,
यह मांगो जो वो दे देते
कितने औघड़दानी लोग,
हो बदलाव तो कैसे हो
अपने दुश्मन जानी लोग,
आओ चलें हक अपना लें
करते आना- कानी लोग,
ठोकर खा कर न सुधरें
कितने हैं अज्ञानी लोग।

यूजर्स गाइड

LED बल्ब या ट्यूबलाइट को लेकर हैं कन्फ्यूज, समझें बिजली की खपत का गणित

आजकल घरों में ज्यादातर लोग LED बल्ब या LED ट्यूबलाइट का इस्तेमाल करते हैं। दोनों ही पुराने बल्बों या CFL से बहुत कम बिजली खाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि LED बल्ब और ट्यूबलाइट में से कौन ज्यादा बिजली खाता है। असल में दोनों की बिजली खपत अलग-अलग होती है क्योंकि दोनों की रोशनी देने की ताकत भी अलग होती है। एक सामान्य LED बल्ब 7 से 12 वॉट का होता है, जबकि LED ट्यूबलाइट 18 से 22 वॉट की होती है। यानी एक ट्यूबलाइट अकेले ज्यादा बिजली लेती है। लेकिन ट्यूबलाइट पूरे कमरे को अच्छी रोशनी देती है।

ट्यूबलाइट लंबी होती है और रोशनी चारों तरफ फैलाती है। इसलिए यह बड़े कमरे, किचन या हॉल के लिए अच्छी रहती है। एक 20 वॉट की LED ट्यूबलाइट पूरे कमरे को रोशन कर सकती है। वहीं बल्ब गोल होता है और रोशनी एक दिशा में ज्यादा जाती है। एक कमरे को अच्छी रोशनी देने के लिए आपको 2-3 बल्ब लगाने पड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर एक 9 वॉट की ट्यूबलाइट लगाते हैं तो वह कम बिजली लेगी और सब जगह बराबर रोशनी देगी। लेकिन अगर दो 7 वॉट के बल्ब लगाते हैं तो कुल 14 वॉट हो जाएंगे, जो ज्यादा बिजली खाएंगे। इस तरह जगह और जरूरत के हिसाब से ट्यूबलाइट अक्सर कम बिजली में ज्यादा फायदा देती है।

पुराने बल्ब से बेहतर: पुराने 60 वॉट के बल्ब की जगह 9 वॉट का LED बल्ब या 20 वॉट की LED ट्यूबलाइट इस्तेमाल करने से 80-90 प्रतिशत बिजली बच जाती है। LED बल्ब और ट्यूबलाइट दोनों 25,000 से 50,000 घंटे तक चलते हैं, यानी 10-15 साल तक। पुरानी ट्यूबलाइट या कांच वाले सीएफएल ट्यूबलाइट जल्दी खराब हो जाती थीं और ज्यादा गर्म होती थीं। LED में गर्मी बहुत कम निकलती है, जिससे कमरे का तापमान भी नहीं बढ़ता। दोनों में कोई जहरीली गैस नहीं होती, इसलिए पर्यावरण के लिए भी अच्छे हैं।

दोनों की कीमत में फर्क: LED ट्यूबलाइट की कीमत बल्ब से थोड़ी ज्यादा होती है। एक अच्छा बल्ब 100-200 रुपये का मिल जाता है, जबकि ट्यूबलाइट 200-400 रुपये की। लेकिन इन्हें बार-बार बदलने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर आप बड़े कमरे के लिए ट्यूबलाइट चुनते हैं तो एक ही में काम चल जाता है, जिससे कुल खर्च कम होता है। छोटे कमरे या टेबल लैंप के लिए बल्ब बेहतर रहता है।

टेक्नो अपडेट

मोटोरोला का फोल्डेबल फोन, 8.1 इंच डिस्प्ले किताब की तरह खुलेगा, सैमसंग को टक्कर?

कंज़ूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो में मोटोरोला ने अपने पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन, मोटोरोला रेजर फोल्ड (Motorola Razr Fold) को दिखाया है। यह कंपनी का पहला फोल्डेबल डिवाइस है और इस साल ही लॉन्च हो सकता है। मोटोरोला ने अब तक सिर्फ फ्लिप स्मार्टफोन पेश किए हैं। अब वह फोल्डेबल कैटिगरी में एंट्री ले रही है और उसका सीधा मुकाबला सैमसंग से होने की उम्मीद है। मोटोरोला रेजर फोल्ड बाकी फोल्ड स्मार्टफोन्स से इसलिए अलग है क्योंकि यह किसी किताब की तरह ओपन होता है। इसका बाहरी डिस्प्ले इतना बड़ा है कि आप फोल्ड फोन को नॉर्मल फोन की तरह इस्तेमाल कर पाएंगे। अनफोल्ड होने के बाद इसकी असली चमक दिखाई पड़ती है।

फीचर्स, स्पेसिसिकेशंसः CES 2026 से आ रही रिपोर्ट के अनुसार, मोटो रेजर फोल्ड को आम यूजर के नजरिए से तैयार किया गया है ताकि लोग इस डिवाइस के साथ जल्द एडजस्ट कर जाएं। इसके अलावा, यह प्रीमियम भी नजर आता है। जब यह फोन फोल्ड रहता है तब इसके बाहर 6.6 इंच की एक्सटरनल डिस्प्ले मिलती है, ताकि आप इसे किसी फोन की तरह इस्तेमाल कर पाएं। फोन को ओपन यानी अनफोल्ड करने पर 8.1 इंच का 2K LTPO डिस्प्ले निकलकर आता है।

स्टायलस का भी सपोर्ट: कहानी यहीं खत्म नहीं हो रही। इस फोन के डिस्प्ले में प्रोडक्टिविटी को और बेहतर करने के लिए मोटो ने 'मोटो पेन अल्ट्रा स्टायलस' यानी पेन का सपोर्ट भी जोड़ा है, जिससे आप इसे एक टैब की तरह इस्तेमाल कर पाएंगे। सैमसंग के बाद अगर कोई कंपनी स्मार्टफोन्स में एआई फीचर्स पर मेहनत कर रही है, तो वह मोटो है। मोटो ने अपने तमाम फोन्स में एआई का सिंपल इंटीग्रेशन किया है और अब मोटो फोल्ड में इसे नेक्स्ट लेवल पर ले जाने की तैयारी है। कहा जाता है कि मोटो रेजर फोल्ड में एआई की मदद से नोटफिकेशंस की समरी तैयार की जा सकेगी।

ट्रिपल रियर कैमरा सिस्टमः जानकारी के अनुसार, Motorola Razr Fold में 50 मेगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा सिस्टम होगा यानी बैक साइड में तीन कैमरा मिलेंगे। इसके अलावा, 20 मेगापिक्सल का कैमरा अंदर वाले डिस्प्ले में और 32 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा बाहर वाले डिस्प्ले में लगाया गया है। डॉल्बी विजन वीडियो रिकॉर्डिंग, स्टैबलाइजेशन और वीडियोज में सिनमैटिक क्वॉलिटी भी इस फोन की खूबियां बताई जा रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, मोटो ने अपने पहले फोल्ड फोन की लॉन्च डेट नहीं बताई है। हालांकि इसे इसी साल लाए जाने की पूरी उम्मीद है।

न्यूज विंडो

नर्मदा जयंती पर नर्मदापुरम आएंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

नर्मदापुरम। नर्मदा जयंती और नर्मदापुरम के गौरव दिवस का आयोजन भव्यता के साथ मनाया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम जलमंच से 25 जनवरी को होगा। तीन दिवसीय आयोजन को ऐतिहासिक बनाने की योजना है, जिसमें धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम मे प्रदेश के मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव शामिल होंगे। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को कार्यक्रम का आमंत्रण दिया। इस दौरान मप्र तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मनोहर बढ़ानी, अनुराग तिवारी, राहुल चौरे और नर्मदा महाआरती के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे सहित अन्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भी नर्मदा जयंती महोत्सव में आएंगे। उनकी सहमति के बाद प्रशासनिक स्तर पर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

वस्त्र व्यापार संघ की कार्यकारणी के विकास अध्यक्ष और सुलभ बने सचिव

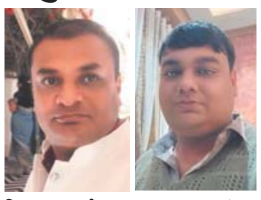

सिरोंज। वस्त्र व्यापार संघ की कार्यकारणी का निर्वाचन सर्व सम्मति से निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता रीतेश अग्रवाल द्वारा कराया गया वस्त्र व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष सुमंत मित्तल ने बताया कि नवीन कार्यकारणी में विकास गर्ग अध्यक्ष, शरद मंगल उपाध्यक्ष, सुलभ गर्ग सचिव, कृष्ण गोपाल बिंदल कोषाध्यक्ष,अजीत हिमथानी सहसचिव, कृष्ण गोपाल गर्ग प्रवक्ता एवं नीलेश मंगल, विष्णु मंगल, प्रकाश बंसल, निमिष मंगल तथा अनुपम अग्रवाल को कार्यकारणी का सदस्य मनोनीत किया गया।वहीं सिरोंज महासंघ के प्रतिनिधि के लिए अर्पित मित्तल, सुमंत मित्तल, विष्णु बाबू गर्ग और मुकेश गोयल को मनोनीत किया।

नपाध्यक्ष और एसडीएम ने रैन बसेरा का निरीक्षण कर दिए निर्देश

सिरोंज। इन दिनों चल रही शीत लहर के बीच स्थानीय राजस्व प्रशासन एवं नगरपालिका प्रशासन ने शहर के चौक चौराहों, बसस्टैंड परिसर एवं रैन बसेरों का निरीक्षण किया। विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर हुए निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने भीषण ठंड का सामना कर रहे लाबारिश भिखारियों, दिमागी रूप से विक्षिप्त नागरिकों,बुजुर्गों को गर्म कंबल का भी वितरण किया। देर रात बस स्टैंड पहुंचे निरीक्षण दल ने यह बने प्रतिक्षालय शेड में देर रात आने जाने वाली बसों का इंतजार करते यात्रियों को ठंड का सामना करते हुए बैठा पाया। स्थानीय पार्षद सचिन शर्मा ने नपा द्वारा यात्रियों एवं नागरिकों को ठंड से बचाव के लिए बस स्टैंड परिसर में जलवाए जा अलावो के अलावा यात्री प्रतिक्षालय में भी अलाव जलवाए जाने का सुझाव दिया जिस पर एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा ने तत्काल अलाव प्रारंभ करने के निर्देश नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू को प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वास्तव में रात को बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों जिसमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल रहते हैं उनको काफी ठंड का सामना करना पड़ता होगा। उन्होंने नपा प्रंबधन को इस स्थान पर देर रात तक अलाव जलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। इसके अलावा पत्रकार भवन के नीचे स्थित प्रतिक्षालय में अन्यत्र शहर से आए नागरिक दिखाई दिए जिनको प्रशासन ने तलैया मोहल्ले में स्थित शादी हाल में बनाए गए अस्थाई रैन बसेरे में भेजे जाने के निर्देश दिए। यहां भी ग्रामीण क्षेत्र से आकर भिक्षावृत्ति करने वाले बुजुर्ग असहाय लोगों को कंबल का वितरण किया। इस दौरान नपाध्यक्ष एवं एसडीएम ने शहर के सभी प्रमुख चौक चौराहों पर जलाए जा रहे अलावो की जानकारी लेकर निरीक्षण किया।

घंटा बजाकर कांग्रेसी पहुंचे विधायक कार्यालय, किया विरोध-प्रदर्शन

गंजबासौदा। विगत दिनों इंदौर में दूषित पानी पीने से हुईं मौतों के विरोध एवं नगरीय प्रशासन मंत्री के बयान से नाराज स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने अम्बेडकर चौक पर एकत्रित होकर घंटा बजाते हुए पैदल विधायक कार्यालय पहुंचे ओर अपना विरोध दर्ज कराया कांग्रेस नेताओं ने क्षेत्रीय विधायक से कहा कि हम मंत्री के बयान की निंदा करते हैं और आप भी विधानसभा में इसका विरोध दर्ज कराना। कांग्रेस नेताओं में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक निशंक कुमार जैन, पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी, वरिष्ट कांग्रेस नेता संतोष शर्मा, विकास शर्मा, बीडी शर्मा, अमित मेहता, पार्षद जगदीश व्यास, मणि भाई अहिरवार , नितिन दुवे, बंटी गुर्जर, पृथ्वी रघुवंशी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम संतोष बटोलिया और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

भोजशाला पहुंचे वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल सत्याग्रह में हुए शामिल, कहा-

ये राजा भोज द्वारा विरासत में दी गई मां वाग्देवी की धरोहर को मुक्त कराने का समय

धार। लखन टांक

भोजशाला में नियमित सत्याग्रह का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। श्रद्धालुओं ने मां वाग्देवी की पूजा-अर्चना के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया और भजन-कीर्तन के से भोजशाला की मुक्ति व मां वाग्देवी की प्रतिमा की पुनर्स्थापना के अपने संकल्प को दोहराया।

23 जनवरी को महासंकल्प का आह्वान: सत्याग्रह में वर्ल्ड हिन्दू फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल भी शामिल हुए। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में भोजशाला पहुंचें। अग्रवाल ने कहा यह राजा भोज द्वारा विरासत में दी गई मां वाग्देवी की धरोहर को मुक्त कराने का समय है। सरकार को बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान करना चाहिए और तुष्टिकरण की राजनीति से ऊपर उठकर निर्णय लेना चाहिए।

इस वर्ष बसंत पंचमी का पर्व शुक्रवार को पड़ रहा है जिसके कारण स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। भोजशाला को लेकर वर्तमान व्यवस्था के अनुसार वर्तमान में 2003 की व्यवस्था लागू है, जिसके तहत मंगलवार को हिंदू पूजा और शुक्रवार को मुस्लिम नमाज अदा करते हैं। बसंत पंचमी पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक मां सरस्वती का पूजन, हवन और जन्मोत्सव मनाया जाता है। जबकि प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुम्मे की नमाज अदा की जाती है। एक ही समय पर दोनों समुदायों की धार्मिक गतिविधियों के चलते कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होने वाला है।

प्रकटोत्सव की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने निरीक्षण कर दिए दिशा-निर्देश

घाटों पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर लें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने वाले नर्मदा प्रकटोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर सोनिया मीना सेठानी घाट पहुंचीं। उन्होंने सेठानी घाट सहित विभिन्न घाटों पर व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर ने जलमंच, सर्किट हाउस से जलमंच तक मुख्य अतिथि के जलमार्ग, कंट्रोल रूम तथा अस्थायी अस्पताल के लिए प्रस्तावित तिलक भवन सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय रहते और सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाएं।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, एडीएम राजीव रंजन पांडे, एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर बृजेंद्र रावत, सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह, सीएमओ हेमेवरी पटले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देशित किया कि घाट पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्थान सुनिश्चित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए साज-सज्जा सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी सतर्कता और सावधानी के साथ की जाएं। कलेक्टर मीना ने नर्मदा प्रकटोत्सव के मुख्य कार्यक्रम के लिए बनाए जाने वाले विभिन्न सेक्टरों की रूपरेखा, बैठक व्यवस्था, तथा श्रद्धालुओं के लिए बैरिकेडिंग एवं मार्किंग पूर्व में ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्य कार्यक्रम के प्रसारण हेतु लगाई जाने वाली स्क्रीन की टेस्टिंग समय पर पूर्ण कराने को भी कहा।कलेक्टर ने जलमार्ग से सेठानी घाट, पर्यटन घाट, पोस्ट ऑफिस घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट एवं सर्किट हाउस घाट का निरीक्षण कर मुख्य आयोजन के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी ली और होमगार्ड, नगर पालिका एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी नियत करने के भी निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए।

टोरंटो पावर के एडवाइजर पर उठे गंभीर सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

रक्सा-कोलमी एवं आसपास के गांवों में प्रस्तावित पावर प्रोजेक्ट को लेकर टोरंटो पावर के एडवाइजर के दावों पर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जनसुनवाई और बैठकों में दी गई कई जानकारियां ज़मीनी सच्चाई से मेल नहीं खातीं, जिससे कंपनी की पारदर्शिता पर संदेह गहराता जा रहा है। सबसे पहले भूमि माप को लेकर एडवाइजर की जानकारी पर सवाल उठा। ग्रामीणों का कहना है कि एडवाइजर को एकड़ और हेक्टेयर के अंतर की स्पष्ट जानकारी नहीं है, जबकि भूमि अधिग्रहण जैसे संवेदनशील विषय में यह बुनियादी समझ अत्यंत आवश्यक है। किसानों ने आरोप लगाया कि माप की अस्पष्टता के कारण उन्हें वास्तविक क्षेत्रफल और मुआवजे को लेकर भ्रम में रखा जा रहा है। मजदूरी के मुद्दे पर भी विरोधाभास सामने आया। लेबर बोर्ड के अनुसार इंडस्ट्रियल अकुशल मजदूर की निर्धारित मजदूरी 467 रुपए प्रतिदिन है, जबकि कंपनी के एडवाइजर ने दावा किया कि वे 400 रुपए प्रतिदिन दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह न केवल नियमों के खिलाफ है, बल्कि मजदूरों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन भी है। पर्यावरण को लेकर भी दोहरी बातें सामने आईं। एडवाइजर ने कहा कि पावर प्लांट से ध्वनि, वायु और जल प्रदूषण की संभावना नहीं है, लेकिन ग्राम पंचायत में रखी गई आधिकारिक पुस्तक में ध्वनि एवं वायु प्रदूषण का स्पष्ट उल्लेख है। उक्त दस्तावेज अंग्रेजी भाषा में है, जिसे समझ पाना कठिन है। ऐसे में सवाल उठता है कि सही कौन है—एडवाइजर के मौखिक दावे या ग्राम पंचायत का लिखित रिकॉर्ड जल संसाधन के संदर्भ में सोन नदी के पानी को लेकर बताया गया कि 40 एमसीएम पानी अलॉट हुआ है, पर इसके उपयोग, प्रभाव और लाभ की स्पष्ट जानकारी ग्रामीणों को नहीं दी गई। सामाजिक लाभों के दावों पर भी विरोधाभास दिखा। एडवाइजर ने विधवा, वृद्धा और विकलांग पेंशन 1700 प्रतिमाह तथा बच्चों की छात्रवृत्ति 500 से 1200 तक देने की बात कही।

पति ने पत्नी को जल्दी सुलाया, गहरी नींद आते ही कर दी हत्या

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत अमाही ताल गांव से रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पति ने आपसी विवाद में पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी ने साक्ष्य मिटाने शव को आग का भी प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, रानी(26) और पति नन्नू आदिवासी के बीच अनबन चल रही थी। रात में पति ने साजिश के तहत पत्नी को जल्दी सुला दिया। जैसे ही रानी गहरी नींद में सोई, आरोपी ने गले में गमछा लपेट कर उसका गला घोट दिया। दम घुटने से रानी की मौत हो गई। रानी के दो बच्चे थे, जो अनाथ हो गए।आरोपी ने सबूत मिटाने शव को कंबल में लपेटकर जलाने की कोशिश की। उसने आग लगा दी और धुआं देख पड़ोसी तुरंत पहुंचे और आग बुझाई। ससुराल पक्ष ने पहले मायके वालों को गुमराह करते हुए बीमारी का बहाना बनाया, लेकिन मायके पक्ष ने एमपी पुलिस को सूचना दी। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

वृंदावन ग्राम दिगौड़ा पंचायत में शामिल, हटेगा अतिक्रमण

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

नवीन तहसील कार्यालय दिगौड़ा में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय पहुंचे। उनके आगमन पर तहसील कार्यालय के मीटिंग हॉल में कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक एवं जनसुनवाई आयोजित की। कलेक्टर ने करीब दो घंटे से अधिक समय तहसील क्षेत्र की समस्याएं सुनी। बीते कई वर्षों में किसी भी कलेक्टर ने समय दिया है।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना। उन्हें अपनी डायरी में दर्ज किया और कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को तत्काल फ ोन कर मौके पर ही समाधान कराया। कलेक्टर ने बताया कि भोपाल से आदेश जारी कर वृंदावन ग्राम को दिगौड़ा पंचायत में शामिल कर दिया गया है।

इससे पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। यहां के लिए पुरानी पुलिस चौकी पर सार्वजनिक शौचालय निर्माण, पुराने तहसील भवन में पुस्तकालय संचालन, पुराने कांजी हाउस पर सामुदायिक भवन निर्माण, पंचायत क्षेत्र में सीसी सडक़ों का निर्माण, सभी वार्डों की नालियों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, कस्बे की समस्याओं पर

भी हुआ विचार, बैठक में नागरिकों ने बिजली खंभों पर स्ट्रीट लाइट, प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे, कचरा उठाने की नियमित व्यवस्था, नालियों की साफ सफ ाई की मांग रखी।

तहसील क्षेत्र की सभी शासकीय जमीनों पर वर्षों से फैले अतिक्रमण को हटाया जाएगा। तहसीलदार को निर्देश दिए गए कि अतिक्रमण से संबंधित पूरी जानकारी तत्काल एकत्र की जाए। इसके साथ ही कहा कि निर्माणाधीन गोशाला जनवरी महीने के अंत तक संचालन किया जाएगा।

नल जल योजना के अधूरे कार्यों को लेकर कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 26 जनवरी तक सभी कार्य पूर्ण किए जाएं। जिससे आमजन को पेयजल संकट से राहत मिल सके। साथ ही डिग्री कॉलेज व कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल का प्रस्ताव तैयार करके शासन को भेजा जाएगा। घुसयाना मोहल्ले में लंबे समय से सड़क पर पानी भराव की समस्या को लेकर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को तत्काल सड़क निर्माण कराने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर

हतोड़ा में आयोजित हिंदू सम्मेलन से मिला एकता, समरसता का संदेश

भजन-काव्य और विचारों से जागा सनातन चेतना का स्वर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

समीपस्थ ग्राम हतोड़ा मंडल में भव्य हिंदू सम्मेलन गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में सनातन संस्कृति, सामाजिक चेतना और भक्ति का सशक्त संगम देखने को मिला। दिन भर चले कार्यक्रम में भजन, काव्य-पाठ और संतों के प्रेरक उद्बोधनों ने क्षेत्र को धर्म और राष्ट्रभाव से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद स्थानीय कलाकारों एवं भजन मंडली ने भगवान शिव और महादेव के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पंडाल भक्तिरस में डूब गया।

सम्मेलन में आयोजित हुए कवि सम्मेलन में कवियों ने हास्य, ओज और भक्ति रस से ओत-प्रोत काव्य-पाठ में नीलेश चतुर्वेदी, शुभम रघुवंशी 'भोला', मोहित भार्गव, प्रगति यादव, राखी यादव, शुभम दुबे एवं कालू पेंटर ने अपनी प्रभावी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन का

सशक्त और प्रभावी संचालन नीलेश चतुर्वेदी ने किया। सम्मेलन में संतों और विद्वानों का प्रेरक उद्बोधन प्रभावी रहा। गंज हनुमान मंदिर के महंतश्री महेश्वरदास त्यागी जी महाराज ने हिंदू धर्म की महानता पर प्रकाश डालते हुए समाज में मातृ शक्ति के महत्व को रेखांकित किया और धर्म को जीवन का आधार बताया। मुख्य वक्ता संघ के जिला प्रचारक राकेश परमार ने पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। राजा जी महाराज (बालाजी धाम) ने भगवान शिव एवं हनुमान जी की कृपा का वर्णन करते हुए हिंदू धर्म को विश्व का कल्याणकारी मार्ग बताया। इस अवसर पर रजनी रघुवंशी एवं दृष्टि रघुवंशी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ग्राम हतोड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। समूचे आयोजन का सफल और प्रभावी संचालन वेदांश वेदांकुलम ने किया। उनकी ओजस्वी वाणी और मंच संचालन ने श्रोताओं को अंत तक कार्यक्रम से जोड़े रखा। सम्मेलन ने क्षेत्र में सनातन संस्कृति के प्रति आस्था, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभाव को नई ऊर्जा प्रदान की।

हर साल सर्दी के मौसम में आते हैं प्रवासी पक्षी, गणना शुरू, बनेगा रिकॉर्ड

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंदर मौजूद तालाबों में विंटर सीजन व्यतीत करने करीब 25 प्रजातियों के पक्षी आते हैं, जिनमें यूरोप, हिमालय, रसिया, साइबेरिया जैसे देश से हजारों किलोमीटर की उड़ान भरकर के पक्षी पहुंचते हैं। पक्षियों की कितनी प्रजातियां होती हैं, कितने पक्षी आते हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं होती है। ऐसे में मध्य प्रदेश पहली बार प्रवासी पक्षियों का रिकॉर्ड बनाने के लिए एशिया जल पक्षी गणना की जा रही है। गणना को लेकर तैयारी पूरी हो गई है। गणना करने वाली स्टाफ को भी ऑनलाइन ऑफलाइन ट्रेनिंग दी जा चुकी है। प्रदेश भारतीय टाइगर रिजर्व में आज से 7 जनवरी से दो दिवसीय गणना शुरू हो रही है। खास बात यह है कि अगर आप भी इस गणना का हिस्सा बनना चाहते हैं तो वालंटियर बनने के लिए अपने संबंधित वन मंडल के अधिकारी से बात कर सकते हैं।

टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर ए ए अंसारी बताते हैं कि एशियन वाटर वर्ड काउंटिंग पहली बार मध्यप्रदेश में होने जा रहा है. यह सभी जलाशयों में होगा। जहां पर माइग्रेटरी बर्ड्स आते हैं। यह बहुत अच्छी पहल है। हम अभी तक नहीं जान पाते हैं कि कौन से जलाशय में कौन सी प्रजातियां आती हैं। जैसे अगर हम नौरादेही की बात करें तो यहां जो बड़े जलाशय हैं, जमरासी बरपानी जगतराई तालाब यहां पर कई तरह की बत्तख आती हैं। पिनटेल कॉमन, मल्लार्ड जैसे कई तरह की बत्तख आती हैं जिनकी गणना और रिकॉर्ड रखना बहुत जरूरी है। टाइगर रिजर्व में इसकी गणना 7 और 8 जनवरी को होगी है। गणना में वॉलिंटियर्स को भी इंवॉल्व करेंगे ताकि यह गणना सफलतापूर्वक पूरी हो सके। टाइगर रिजर्व में अभी आठ जलाशय चिन्हित किए हैं। जहां पर संभावना है कि प्रवासी पक्षी आते हैं। सर्दियों में भोजन के लिए उन्हीं को सेलेक्ट किए हैं और प्रत्येक जगह हमारे यहां जो स्टाफ है उनको लगाएंगे साथ ही वॉलिंटियर्स करेंगे।

ठंडे प्रदेशों से पक्षी आते हैं साइबेरिया, रसिया इन सब देशों से आते हैं। यहां पर पूरा विंटर व्यतीत करने के बाद चले जाते हैं। बालचर भी हमारे यहां आते हैं इसी सीजन में आते हैं। गणना करने के लिए वॉलिंटियर और स्टाफ के लिए मोबाइल में एक एप्लीकेशन डाउनलोड कराया जाएगा। उनके लिए कैमरा और दूरबीन भी दिया जाएगा। इसके माध्यम से वह जिन तालाब के पास रहेंगे। वहां पर जितने भी प्रकार के पक्षी हैं, उनकी अलग-अलग फोटो लेकर उसमें अपलोड करेंगे साथ ही यह भी संख्या दर्ज करेंगे कि वहां पर लगभग कितने पक्षी है सर्वे कार्य पूरा होने के 24 घंटे बाद गणना का रिजल्ट भी सामने आ जाएगा। इसमें यह पता चलेगा की सर्दियों के मौसम में हमारे यहां कितने देशों के कौन से पक्षी आते हैं। इसके बाद आने वाली सालों में जब यह करना होगी तो उसमें यहां का वातावरण इन पक्षियों को कितना पसंद आया पक्षियों की प्रजातियां कितनी बड़ी या कितनी कम हुई और ऐसा किस वजह से हुआ यह सब पता चलेगा।

हिमालय को लांघकर आते हैं वाटर बर्ड्स

हर साल प्रदेश के अभयारण्यों और जलाशयों को सैकड़ों प्रवासी पक्षी अपना ठिकाना बनाते हैं। वे सर्दी के मौसम में आते हैं और सर्दी खत्म होने के साथ ही मूल निवास की ओर उड़ान भरने लगते हैं। इस साल भी वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में. ऐसे अदभुत पक्षियों का जमावड़ा हुआ है। प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में से एक और चीता प्रोजेक्ट को लेकर चर्चित वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में इस साल हिमालय पर्वत लांघकर काफी संख्या में प्रवासी पक्षी आए हैं। करीब एक हजार किमी का सफर तय कर नॉथ यूरोप व अन्य यूरोपीय देशों से आए बत्तखें, गूज, कमोरेंट और ग्रेट कॉमोरेंट के अलावा वाटर बर्ड्स को यहां के जलाशय भाते हैं।

न्यूज विंडो

प्रशासन की कार्रवाई,103 यात्री बसों के स्थायी परमिट निलंबित

सागर। 15 वर्ष पूर्ण कर चुकी 209 यात्री बसों को स्टैज कैरिज के स्थायी अनुज्ञापत्रों से रिप्लेस कराने के लिए मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग से सूची जारी की गई थी। उक्त सूची के आधार पर ऐसी यात्री बसों के अनुज्ञापत्रधारियों को रिप्लेस कराने के लिए नोटिस जारी किये गये थे उक्त नोटिस रिप्लेसमेंट के लिए दिया गया था। किन्तु 103 अनुज्ञापत्रधारकों द्वारा नवीन वाहन के मॉडल को रिप्लेस नहीं कराया गया। जिस पर कार्यवाही करते हुए क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार द्वारा शेष 103 अनुज्ञापत्रधारकों को आदेश जारी करते हुए उनके प्रदत्त स्थायी अनुज्ञापत्रों को 30 दिवस के लिए निलंबित कर दिया गया है। ऐसे समस्त लाइसेंस धारकों को सूचित किया गया है कि 30 दिवस के भीतर नवीन मॉडल के वाहन से 15 वर्ष पुरानी यात्री बसों को रिप्लेस करा लें अन्यथा उनको दिए गए स्थायी लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। यात्री बसों एवं अन्य वाहनों की चौकिंग के दौरान तीन यात्री बसों में आने एवं जाने के लिए अलग-अलग दो दरवाजे नहीं थे, अग्निशमन यंत्र निर्धारित मानक के नही होने से उन्हें जप्त कर कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। साथ ही सागर जिला बस आपरेटर एसोशिएशन को स्लीपर कोच यात्री बसों में एआईएस-119 के प्रावधानों के तहत् आवश्यक पूर्तियां सात दिन में पूर्ण कराने के लिए पत्र जारी किया गया है। बस में चढ़ने उतरने के लिए पृथक-पृथक दो दरवाजें होगे। चार इमरजेंसी एक्जिट होना आवश्यक है। एक इमरजेंसी एक्जिट ड्रायवर साईड में पीछे की ओर, एक इमरजेंसी एक्जिट गाड़ी के सबसे पीछे बीचों बीच तथा दो इमरजेंसी एक्जिट वाहन की छत पर आगे ओर पीछे की ओर होगे प्रत्येक इमजेंसी गेट 58 सेंटीमीटर, 90 सेंटीमीटर का होगा। अग्नि सुरक्षा हेतु 10 किलोग्राम के चार अग्निशमन यंत्र संपूर्ण यात्री बस में होंगे, जो आगे मध्य में एवं पीछे की ओर रखे गए होंगे।

फसल खाने आया जंगली मादा सूअर बिना मुंडेर के कुएं में गिरा

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में जंगली जानवरों की भरमार है और सबसे ज्यादा किसान जंगली सूअर से परेशान हैं। यह जंगलों से झुंड के रूप में एकत्रित होकर खेतों में आ जाते हैं और किसानों की फसलों को खाते हैं। एक जंगली सूअर किसान के खेत में फसल खाने पहुंचा किन्तु वह कुएं में गिर गया। लोगों को जानकारी उस समय लगी जब एक युवक कुएं में पानी भरने गया तो उसको कुएं में जंगली सूअर तैरता मिला बाद में अन्य लोगों को जानकारी लगी। देखते ही देखते कुएं के पास सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। उन्होंने वन विभाग को सूचना दी तेंदूखेड़ा वन विभाग से डिप्टी रेंजर भगवान दास सेन डिप्टी रेंजर बृजेश कोल बीटगार्ड मुकेश नामदेव ओंकार यादव स्थाई कर्मी नजीर भाईजान सुरक्षा श्रमिक मुन्ना लोधी अपने स्टॉप के साथ मौके पर पहुंचे और एक घंटे तक कड़ी मशक्कत करके रेस्क्यू किया गया और सूअर को बाहर निकला। किसान प्रेमसीग यादव ने बताया वह खेत में बने घर में था उसी समय दस्यु नामक युवक कुएं पर पानी भरने गया उसको जंगली सूअर तैरते दिखा तो उसने आकर मुझे सूचना दी उसके बाद में बम्हौरी के पूर्व सरपंच संतोष यादव को जानकारी दी उन्होंने वन विभाग को सूचना दी फिर जेसीबी मशीन और जाले की मदद से जंगली सूअर को बाहर निकला गया। जिस कुएं में जंगली सूअर गिर था उसमें लगभग सात से आठ फुट पानी था।

गुना जिले के आदिवासी अंचलों में पानी को लेकर बढ़ी किल्लत

पीड़ित महिलाओं का छलका दर्द, कहा महाराज! जानवर भी न पिएं ऐसा पानी

गुना। दोपहर मेट्रो

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई 17 मौतों के खौफनाक मंजर ने पूरे प्रदेश को हिला दिया है। लेकिन, गुना जिले के आदिवासी अंचलों में आज भी वैसी ही एक बड़ी त्रासदी आकार ले रही है। सरकार आदिवासियों के उत्थान के नाम पर हर साल करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है, पर हकीकत यह है कि इन परिवारों को पीने के लिए शुद्ध पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं है।

बमौरी विधानसभा के सहरिया बाहुल्य गांवों में विकास के तमाम दावे उस मटमैले पानी में तैरते नजर आते है, जिसे इंसान तो क्या जानवर भी पीने से परहेज करें। यह वही बमौरी विधानसभा क्षेत्र है, जहां 22 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य कराने का दम भरा जाता है। लेकिन, धरातल पर सच्चाई इसके उलट है। जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत धानवाड़ी से होते हुए जब म्यापुर पठार और टांडा जैसे क्षेत्रों में पड़ताल की गई तो भयावह दृश्य सामने आए।

गुना के ग्रामीण क्षेत्र में जाकर वस्तु स्थिति को देखा। ग्राम पंचायत धानवाड़ी से 10 किलोमीटर अंदर ग्राम म्यापुर में बहुतायत संख्या में आदिवासी-सहरिया परिवार निवास करता है। गांव के पास एक तालाब है जो गंदे पानी से लबालब था। यहां के लोग पीने का पानी एक किलोमीटर दूर लगे एक हैंडपंप से लाते है। यह हैंडपम्प अक्सर खराब हो जाता है। गांव से तीन किलोमीटर दूर म्यापुर पठार पर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में पहुंचे तो वहां का नजारा और दृश्य काफी भयावह था। यहां गंदे नाले से पोखरों के जरिए पानी आ रहा था। इसके आसपास एक नहीं, चार झिर बनी थीं। यह झिर दो-ढाई फीट की थी, पानी बहुत गंदा था। म्यापुर पठार की महिलाओं ने काफी दुखी मन से कहा कि क्या करें साहब, झिर का पानी नहीं पीएं तो क्या करें? आश्वासन तो लंबे समय से हमे मिल रहा है, मगर कोई नहीं सुनता हमारी।

आदत पड़ गई है जहर पीने की। साहब क्या करें? अगर इस झिर का गंदा पानी न पिएं तो प्यास से मर जाएंगे। जानवर भी इसी में मुंह मारते हैं। इसे पीकर अक्सर बीमार पड़ते हैं, तो कर्ज लेकर निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। डर लगता है कि कहीं एक दिन यह पानी हमारी जान ही न ले ले। -सती बाई और जीराबाई, म्यापुर हम तीस साल से इसी नदी के किनारे गड्ढे खोदकर प्यास बुझा रहे हैं। दो किलोमीटर दूर सिर पर घड़ा रखकर पथरीली पहाड़ी चढ़नी पड़ती है। सरकारी अस्पताल में न इलाज मिलता है और न गांव में पानी का इंतजाम। हमारे जैसे दर्जनों मजरे-टोले भगवान भरोसे हैं।-रेशमबाई और कलाबाई, ग्राम टांडा

हरियाली के नाम पर लाखों रुपए खर्च, जमीन पर सूखे पौधे

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के नाम पर प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए हजारों पौधे आज जवाबदेही के अभाव में दम तोड़ चुके है। रोपण के समय सुरक्षा की कसमें, वृक्षाबंधन और फ ोटो सेशन तक सीमित रहे, लेकिन देखरेख की जिम्मेदारी निभाने वाला कोई नहीं दिखा। इसका नतीजा यह रहा कि पौधों की खरीदी और सिंचाई में खर्च हुए लाखों रुपए व्यर्थ हो गए।

ढोंगा मैदान और मानिकपुरा स्थित कृषि विद्यालय की भूमि के चारों ओर हजारों पौधों का रोपण किया गया था। उद्देश्य था हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, लेकिन समय पर सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी न होने से अधिकांश पौधे सूख गए। लोगों का कहना था कि जब पुलिस लाइन जैसे सीमित संसाधनों में पौधे बच सकते है, तो प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की निगरानी में लगाए गए पौधे क्यों सूख गए। यह सिर्फ फ ोटो और कार्यक्रमों तक सीमित रहने से उद्देश्य बनाया गया था। इसके विपरीत पुलिस लाइन मैदान में लगाए गए पौधे आज भी जीवित है और छह फीट तक बढ़ चुके है। फ रवरी 2024 में न्यायालय में पदस्थ सुशील प्रजापति, यातायात प्रभारी कैलाश पटेल सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने करीब 15 हजार पौधों का रोपण किया था। हालांकि इनमें से लगभग 4 हजार पौधे नष्ट हुए, लेकिन 11 हजार पौधे आज भी जीवित है।

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर की भ्रष्टाचार की जांच करने की मांग

अजय आहूजा। मंडीदीप

नगर पालिका मंडीदीप पर लगे गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों पर जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने त्वरित संज्ञान लिया है। मीडिया हाउस द्वारा मंगलवार को कलेक्टर रायसेन को सौंपे गए मांग पत्र में नगर पालिका में व्याप्त अनियमितताओं और धांधली का विस्तृत उल्लेख किया गया था, जिस पर कलेक्टर ने रायसेन डूडा (जिला शहरी विकास अभिकरण) अधिकारी को सभी बिंदुओं पर जांच कराने के सख्त निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर विश्वकर्मा ने कहा कि जांच में जहां भी गड़बड़ियां मिलेंगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जांच को प्राथमिकता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जाएगा। मांग पत्र में नगर पालिका मंडीदीप को राज्य की सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाली नगरीय निकायों में से एक बताया गया है, लेकिन जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के कथित गठजोड़ से योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित रह गया है। मुख्य रूप से इन बिंदुओं की जांच की मांग की गई है। 4 करोड़ रुपये की लागत से दाहोद जलाशय से मंडीदीप तक पेयजल आपूर्ति में ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने का आरोप। प्रतिदिन 1000 से अधिक फुटकर दुकानों से 20 रुपये प्रति दुकान वसूली जा रही है, लेकिन नपा में औसत 200 दुकानों की राशि जमा दिखाई जा रही है। शेष राशि का कथित रूप से बंटवारा हो रहा है। नपा के स्वच्छता विभाग के 200 से अधिक कर्मचारियों में से करीब 100 घर बैठे वेतन ले रहे हैं, जिससे सफाई व्यवस्था चौपट होने के साथ नपा पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। करोड़ों की सड़कें जल्द जर्जर हो रही हैं, कई कार्य अधर में लटके हैं।100 से अधिक हितग्राहियों का पता नहीं, अपात्रों को लाभ दिया गया है। हाउसिंग बोर्ड से 6.8 करोड़ मिलने के बावजूद सीवर, सड़क और नाली कार्य नहीं हुए, नालियों में भी भ्रष्टाचार। कलेक्टर ने बताया कि मांग पत्र के सभी बिंदुओं पर गहन जांच के आदेश दिए गये हैं, जो दोषी होंगे उन पर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खरगोन कलेक्टर कार्यालय में फूटा कहार समाज का आक्रोश

केवट समाज व प्रशासन पर गंभीर आरोप लाइसेंस नहीं तो इच्छा मृत्यु की दी चेतावनी

खरगोन। दोपहर मेट्रो

नर्मदा तट पर वर्षों से नाव संचालन कर जीवन यापन कर रहे कहार समाज का गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। पेशवा घाट महिला नाविक कल्याण समिति, सोसायटी महेश्वर से जुड़े कहार समाज के नाविकों द्वारा जिला मुख्यालय खरगोन स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान जमकर आक्रोश व्यक्त किया। नाविकों ने प्रशासन और केवट समाज पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें शीघ्र पूरी नहीं हुईं तो वे परिवार सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगने को मजबूर होंगे।

कहार समाज ने बताया कि बीते तीन वर्षों से उनके नाव संचालन के लाइसेंस जानबूझकर लंबित रखे गए हैं। कई बार तहसील, एसडीएम कार्यालय और जिला प्रशासन को लिखित आवेदन देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। लाइसेंस नहीं होने के कारण उनकी नावे घाट पर खड़ी हैं और दर्जनों परिवार बेरोजगारी, भुखमरी और कर्ज के बोझ तले दब चुके हैं। नाविकों का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है। तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी और पुलिस प्रशासन द्वारा बिना ठोस कारण के कहार समाज के नाविकों पर झूठे प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। इससे समाज में भय का माहौल बन गया है और लोग मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय में दिए गए आवेदन में केवट समाज द्वारा की जा रही कथित प्रताड़ना का भी भव्य उल्लेख किया गया। कहार समाज का कहना है कि केवट समाज के कुछ लोग राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठाकर नर्मदा घाटों पर खुलेआम धमकाते हैं। उन्हें कहा जाता है कि ÷नाव संचालन का अधिकार सिर्फ केवट समाज का है, अगर कहार समाज ने नाव चलाई तो अंजाम बुरा होगा।÷ आए दिन गाली-गलौच, डराने-धमकाने और पर्यटकों के सामने अपमानित करने की घटनाएं हो रही हैं। कहार समाज ने यह भी आरोप लगाया कि केवट समाज के नाविकों के भी लाइसेंस नहीं बने हैं, इसके बावजूद वे धड़ल्ले से नाव संचालन कर रहे हैं, जबकि केवल कहार समाज के नाविकों को ही रोका जा रहा है। इसे खुला भेदभाव और अवैधानिक कृत्य बताया गया है। जब इस प्रताड़ना की शिकायत प्रशासन से की जाती है, तो न्याय दिलाने के बजाय उल्टा कहार समाज के नाविकों पर ही कार्रवाई कर दी जाती है।

मेट्रो एंकर

अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल 2026

चर्चा कोरिया ने बेंगलुरु को 2-1 से, कपूरथला ने शहडोल को 4-0 से रौंदा

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा सुभाष स्टेडियम क्रमांक-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट जिलेभर में खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन हजारों दर्शक मैदान पर पहुंचकर रोमांचक मुकाबलों का आनंद ले रहे हैं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। खेले गए मुकाबलों में चिलचिलाती धूप के बीच खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

दिन का पहला लीग मैच रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला (पंजाब) और डीएफए शहडोल के बीच खेला गया। मुकाबले में कपूरथला की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए शहडोल को 4-0 से पराजित किया। इस मैच के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद धनपुरी की अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा, उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, प्रतिपक्ष शोभाराम पटेल, पूर्व अध्यक्ष विनीता जयसवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा राष्ट्रगान के साथ मैच का शुभारंभ हुआ। मैच के रेफरी दीपक कुमार (सिंगरौली), शाहरुख खान (टीकमगढ़), शेख कौनेन (अमलाई) एवं राज पुरी (धनपुरी) रहे, जबकि मैच कमिश्नर नीरज शर्मा थे। दिन का दूसरा और बहुप्रतीक्षित क्वार्टर फाइनल मुकाबला एमईजी बेंगलुरु एवं न्यू स्पोर्टिंग सॉकर क्लब चरचा कोरिया छत्तीसगढ़ के बीच खेला गया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और मध्यांतर तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। मैच के दौरान एक पेनल्टी निर्णय को लेकर कुछ देर खेल रुका, लेकिन आयोजन समिति की समझाइस के बाद खेल पुनः प्रारंभ हुआ। निर्धारित समय के अंतिम चार मिनट शेष रहते चरचा कोरिया के खिलाड़ी ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ चर्चा कोरिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई, जबकि मजबूत बेंगलुरु को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता देखना पड़ा। रेफरी की भूमिका गौरव पांचे (बालाघाट), प्रिंस कुमार (सिंगरौली), नीतीश मरावी (सिवनी) एवं सुरेश विश्वकर्मा (सिंगरौली) ने निभाई। प्रयोजक कर्ता और , कमेंट्री का तालमेल बनी आकर्षण लॉटरी के माध्यम से विभिन्न टीमों के प्रयोजको की घोषणा की गई। पूरे टूर्नामेंट में कमेंटेटर अजय द्विवेदी और कलाम मोहम्मद एडवोकेट की प्रभावशाली कमेंट्री दर्शकों को बांधे रही है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, धनपुरी शाखा ने विजेता टीम के लिए 1,21,000 एवं उपविजेता के लिए 81,000 की पुरस्कार राशि की घोषणा कर आयोजन को सहयोग प्रदान किया, जिसके लिए आयोजन समिति ने बैंक का आभार व्यक्त किया।

तीन माह पहले डोजर पलटने से खदान में डूबे ऑपरेटर का शव मिला

शहडोल/धनपुरी। दोपहर मेट्रो

11 अक्टूबर 2025 को शाम लगभग 5 बजे एसईसीएल अमलाई ओसीएम खदान में एक दर्दनाक हादसे के दौरान डोजर पलटने से ऑपरेटर अनिल कुशवाहा डोजर सहित पानी में डूब गया था। हादसे के बाद एनडीआरएफ एवं एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की रेस्क्यू टीमों द्वारा लगातार कई दिनों तक गहन खोज अभियान चलाया गया, किंतु पानी की अत्यधिक गहराई, कीचड़, ठंड और सीमित दृश्यता के कारण मृतक का कोई सुराग नहीं मिल पाया। परिस्थितियों को देखते हुए उस समय रेस्क्यू ऑपरेशन स्थगित करना पड़ा था।

इसके बाद करीब तीन माह तक खदान से बड़ी-बड़ी मोटरों की सहायता से लगातार पानी निकाला जाता रहा। बीते दिन शाम को जब पानी का स्तर कुछ कम हुआ, तब डोजर के कुछ हिस्से नजर आने लगे। अमलाई ओसीएम प्रबंधन द्वारा तत्काल इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू प्रभारी, आर डी पटेल, कैप्टन अमरजीत सिंह,अपने दल के साथ अमलाई ओसीएम पहुंचे और डोजर से शव निकालने की रणनीति तैयार की गई। एनडीआरएफ टीम, सोहागपुर क्षेत्र की रेस्क्यू टीम एवं एसडीओपी धनपुरी विकास पांडे के कुशल नेतृत्व में यह ऑपरेशन पुनः शुरू किया गया।

गेस्ट बनेंगे फिल्मी सितारे

दूसरी बार शादी करेंगे धवन, आयलैंड की मॉडल के साथ लेंगे सात फेरे

नई दिल्ली। पूर्व इंडियन क्रिकेटर शिखर धवन के घर दूसरी बार शहनाई बजने वाली है। इंडियन क्रिकेट के गब्बर कहे जाने वाले धवन अपनी गर्लफ्रेंड और आयलैंड की मॉडल सोफी शाइन से जल्द शादी करने वाले हैं। दोनों ही लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में दोनों कपल शादी करने वाले हैं। इसके लिए शानदार सेलिब्रेशन फरवरी के तीसरे हफ्ते में दिल्ली-हृष्टक्रमें होंगे। जिसमें क्रिकेट और बॉलीवुड दोनों के बड़े नाम शामिल होंगे। शादी की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। एक सूत्र ने बताया, दोनों के लिए एक नई शुरुआत है और वे इससे काफी खुश हैं। शादी की तैयारियों में शिखर पर्सनली शामिल रहे हैं ताकि उनकी खुशियों में कोई कमी ना रहें। यह खबर कपल के रिश्ते को लेकर महीनों से चल रही अटकलों के बाद आई है। अफवाहें सबसे पहले तब शुरू हुईं जब धवन को ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान स्टैंड में शाइन के साथ देखा गया था, और कई लोग उनके साथ मौजूद मिस्ट्री वुमन के बारे में सोच रहे थे। समय के साथ सोशल मीडिया पर छोटे-मोटे क्लू और पब्लिक अपीयरेंस ने दोनों के रिश्ते को कंफर्म किया।

दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिखर और सोफी की मुलाकात कुछ साल पहले दुबई में हुई थी। दोनों पहले दोस्त बने और ये दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। इसके बाद IPL 2024 के दौरान भी सोफी को कई मौकों पर देखा गया। बता दें कि इससे पहले शिखर की शादी ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली आयशा से हुई थी। जिनका एक बेटा जोरावर धवन है। धवन से 10 साल बड़ी आयशा किक बॉक्सर हैं। साल 2012 में शिखर धवन ने आयशा से शादी की थी। सितंबर 2021 में आयशा ने धवन से अलग होने की जानकारी दी थी। 2023 में दोनों का तलाक मंजूर हुआ था।

आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को दिया अल्टीमेटम?

भारत में टी-20 विश्व कप खेलो या फिर अंक गंवाओ..

दुबई, एजेंसी

आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच मंगलवार को हुई वर्चुअल बैठक के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर विवाद गहरा गया है। ईएसपीएन-क्रिकइनफो की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने बीसीबी को साफ तौर पर कहा कि सुरक्षा कारणों के आधार पर बांग्लादेश के मैच भारत से बाहर कराने की मांग खारिज की जाती है। ईएसपीएन-क्रिकइनफो की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को भारत आकर खेलना होगा, नहीं तो उसे अंक गंवाने पड़ सकते हैं। बांग्लादेश को लीग राउंड में भारत में चार मैच खेलने थे।

बीसीबी का खंडन, अल्टीमेटम से इनकार- हालांकि, बीसीबी ने ऐसे किसी अल्टीमेटम से इनकार किया है। बोर्ड का कहना है कि आईसीसी की ओर से भारत में खेलो या अंक गंवाओ जैसा कोई संदेश नहीं दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि बैठक के बाद न तो बीसीसीआई और न ही बीसीबी ने कोई आधिकारिक बयान जारी किया, जिससे भ्रम और बढ़ गया है।

टूर्नामेंट शेड्यूल और बांग्लादेश के मैच

यह 20 टीमों का टी20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाना है। बांग्लादेश ग्रुप सी में है और उसके पहले तीन मुकाबले कोलकाता में तय हैं। सात फरवरी को वेस्टइंडीज, नौ फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल के खिलाफ खेला जाना है।

मुस्तफिजुर रहमान मामला बना ट्रिगर

बीसीबी के आईसीसी को पत्र लिखने की असली वजह आईपीएल से जुड़ा एक फैसला माना जा रहा है। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वह बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करे, जिन्हें दिसंबर 2025 की नीलामी में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इस फैसले की जानकारी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मीडिया को दी, लेकिन इसके पीछे का ठोस कारण नहीं बताया। ऐसा बताया जा रहा है कि उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल ही में हुए अत्याचारों के मद्देनजर टीम से बाहर किया गया। यह एक ऐसा घटनाक्रम रहा जिसने भारतीय बोर्ड को हस्तक्षेप करने के लिए प्रेरित किया।

मुस्तफिजुर को नहीं मिलेगा मुआवजा

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ अपने अनुबंध को समाप्त करने में कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद किसी भी प्रकार का वित्तीय मुआवजा मिलने की संभावना नहीं है। आईपीएल से जुड़े एक जानकार सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि मुस्तफिजुर का मामला बीमा के सामान्य नियमों के अंतर्गत नहीं आता है। उन्हें चोट या लीग में भाग लेने से जुड़े क्रिकेट संबंधी किसी कारण से टीम से नहीं निकाला गया, इसलिए केकेआर उन्हें किसी भी तरह की मुआवजा राशि का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं है।

आगे क्या?- टूर्नामेंट शुरू होने में करीब एक महीना बाकी है। अगर आईसीसी और बीसीबी के बीच जल्द स्पष्ट संवाद नहीं होता, तो यह विवाद विश्व कप की तैयारियों और क्रिकेट कूटनीति, दोनों पर असर डाल सकता है।

कीवियों के खिलाफ इस कॉम्बिनेशन के साथ उतरेगी शुभमन ब्रिगेड!

ऋषभ वनडे टीम में तो चुन लिए गए लेकिन प्लेइंग-11 में जगह मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम की साल 2026 में पहली परीक्षा न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से होने वाली घरेलू वनडे सीरीज में होने जा रही है। भारत ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1 जीती थी, ऐसे में टीम इंडिया के हौसले बुलंद हैं और वो इस सीरीज में दबदबा बनाना चाहेगी। वैसे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनड सीरीज कब्जाने के लिए भारत को तीनों डिपार्टमेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी (रविवार) को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। फिर 14 जनवरी को राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में दूसरा मैच होगा। वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में निर्धारित है। तीनों ही मुकाबले भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे शुरू होंगे। इस वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। वहीं चोट से उबर चुके श्रेयस अय्यर की भी वापसी हुई है और वो उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वनडे टीम में बरकरार रखा गया है, लेकिन उनकी प्लेइंग-11 में जगह बनती दिख नहीं रही। टीम मैनेजमेंट फिलहाल केएल राहुल को विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में प्राथमिकता देता दिख रहा है। ऋषभ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भी बेंच पर ही बैठे रहे थे। टीम कॉम्बिनेशन को सटीक रखने की मजबूरी के चलते पंत को एक बार फिर निराशा हाथ लग सकती है।

ऐसा रह सकता है कॉम्बिनेशन

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत एक संतुलित कॉम्बिनेशन के साथ उतर सकता है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग करते नजर आएंगे। जबकि विराट कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ अर्धशतक जमाने वाले श्रेयस अय्यर नंबर चार पर उतरेंगे। केएल राहुल पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और विकेटकीपिंग का दायित्व संभालेंगे। ऑलराउंडर्स के तौर पर रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर प्लेइंग-11 में रह सकते हैं। वहीं फास्ट बॉलिंग यूनिट में अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा का अहम रोल होगा।विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव खेलते नजर आ सकते हैं। अगर पिच तेज गेंदबाजों के लिए ज्यादा मददगार रहती है, तो ही भारतीय टीम वॉशिंगटन सुंदर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को मौका देने पर विचार कर सकती है। चूंकि नीतीश कुमार रेड्डी ने हाल में ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, इसलिए वॉशिंगटन सुंदर का खेलना तय माना जा रहा है। भारतीय टीम 4 बैटर, 1 विकेटकीपर, 2 स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, 1 विशेषज्ञ स्पिनर और 3 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। नीतीश, ऋषभ पंत, यशस्वी जायसवाल एवं प्रसिद्ध कृष्णा को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ सकता है।

भारत की संभावित प्लेइंग-11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज।

भारत का स्क्वॉड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान)*, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जयसवाल।

भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड की वनडे टीम: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉन्वे, जकारी फाउलकेस, मिच हे (विकेटकीपर), काइल जेमिसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल राई और विल यंग।

नेपाल की टी20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान

रोहित करेंगे कप्तानी, 9 गेंद में 50 ठोकने वाले दीपेन्द्र को बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। क्रिकेट नेपाल ने आगामी आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। रोहित पौडेल टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। वहीं, दीपेंद्र सिंह ऐरी को उपकप्तान चुना गया है। 23 साल के ऑलराउंडर रोहित पौडेल ने अपनी टीम को बल्ले से लगातार सपोर्ट देते हुए क्रिकेट में नेपाल के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उन्हें इस विश्व कप में दीपेंद्र सिंह ऐरी का सपोर्ट मिलेगा। दीपेंद्र की ऑलराउंड क्षमता क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में नेपाल को सही संतुलन देने में महत्वपूर्ण होगी। दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी ठोकने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने 9 गेंदों में यह कारनामा किया था। वहीं, आईपीएल खेल चुके संदीप लामिछाने को भी टीम में शामिल किया गया है।

कैसी है नेपाल की टीम?- नेपाल की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपने निराशाजनक प्रदर्शन में सुधार करना चाहती है। 15 सदस्यों की यह टीम स्पिन, ऑलराउंडर्स में गहराई और बल्लेबाजी में बढ़ते दबाव को झेलने की क्षमता पर बनी है। संदीप लामिछाने स्पिन अटैक की कमान संभालेंगे, जिनके पास दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का खासा अनुभव है। वह बाएं हाथ के स्पिनर ललित राजबंशी के साथ मिलकर गेंदबाजी करेंगे। इसके साथ ही उन्हें अन्य स्पिनर्स दीपेंद्र सिंह ऐरी और बसीर अहमद का भी सपोर्ट मिलेगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

ऑस्कर में भारत की उम्मीदें बरकरार

अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर में पहुंची 'होमबाउंड'

ऑस्कर के लिए भारत की ओर से भेजी गई ऑफिशियल फिल्म 'होमबाउंड' भारत की उम्मीदों को बनाए हुए है। क्योंकि फिल्म अकादमी पुरस्कारों में अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के अगले दौर के मतदान में पहुंच गई है। ऑस्कर की ओर से घोषणा की गई कि अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में दुनिया भर की पंद्रह फिल्में वोटिंग के अगले दौर में पहुंच गई हैं। इनमें भारत की होमबाउंड के अलावा अर्जेंटीना, ब्राजील, फ्रांस, जर्मनी, इराक, जापान, जॉर्डन, नॉर्वे, फिलिस्तीन, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड, ताइवान और ट्यूनीशिया की फिल्में शामिल हैं।

ये फिल्में भी हुईं चयनित- 'होमबाउंड' के अलावा चयनित हुई फिल्मों में 'बेलेन' (अर्जेंटीना), 'द सीक्रेट एजेंट' (ब्राजील), 'इट वाज जस्ट एन एक्सीडेंट' (फ्रांस), 'साउंड ऑफ फॉलिंग' (जर्मनी), 'द प्रेसिडेंट्स केक' (इराक), 'कोकुहो' (जापान), 'ऑल दैट्स लेफ्ट ऑफ यू' (जॉर्डन), 'सेंटीमेंटल वैल्यू' (नॉर्वे), 'पैलेस्टाइन 36' (फिलिस्तीन), 'नो अदर चॉइस' (दक्षिण कोरिया), 'सिरात' (स्पेन), 'लेट शिफ्ट' (स्विट्जरलैंड), 'लेफ्ट-हैंडेड गर्ल' (ताइवान) और 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' (ट्यूनीशिया) शामिल हैं। इस बारे में अकादमी अवॉर्ड्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर जानकारी साझा की। अकादमी पुरस्कारों के लिए आखिरी नामांकन की घोषणा गुरुवार 22 जनवरी को की जाएगी।

98 साल के इतिहास में भारत की पांचवीं फिल्म

हाल ही में ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट होने के साथ होमबाउंड ने एक उपलब्धि हासिल कर ली है। यह अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट होने वाली भारतीय सिनेमा की पांचवीं फिल्म बन गई है। ईशान खट्टर और विशाल जेठवा स्टारर होमबाउंड को ऑस्कर 2026 के अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी में आखिरी नामांकन के लिए 15 फिल्मों में चुना गया है। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित 'होमबाउंड' बचपन के दोस्तों शोएब (ईशान खट्टर) और चंदन (विशाल जेठवा) की कहानी है। जिनका पुलिस बल में शामिल होने का सपना उनके जीवन को आकार देता है।

फातिमा सना शेख ने पहली बार की क्लिफ जंपिंग, शेयर किया रोमांचक वीडियो

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री फातिमा सना शेख, अपने करियर के साथ-साथ जिंदगी के छोटे-बड़े पलों का भी लुत्फ उठाती हैं। हाल ही में उन्होंने क्लिफ जंपिंग का अनुभव किया। इस शानदार अनुभव का वीडियो उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें वे एक ऊंची पहाड़ी से नदी में छलांग लगाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने अपने अनुभव को शेयर करते हुए लिखा कि छलांग लगाने से पहले मुझे किनारे पर खड़े होकर हिम्मत जुटाने में पूरे 20 मिनट लग गए। आखिरकार मैंने फैसला किया और कूद गई। अभिनेत्री ने लिखा, हवा में वह पल, जब पानी से टकराने से ठीक पहले का समय होता है, वह बहुत लंबा और डरावना लगता है। पेट में एक अजीब सी घबराहट होती है, डर भी लगता है और कुछ समझ में भी नहीं आता है, लेकिन उन कुछ सेकंड में मैंने महसूस किया कि डर धीरे-धीरे जोश में बदल रहा था। खुद को इस बदलाव से गुजरते देखना बहुत रोचक था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि पहली छलांग के बाद उनके मन में डर खुद-ब-खुद खत्म हो गया और उन्होंने चार बार और छलांग लगाई थी।

मेट्रो बाजार

अदाणी समूह ने 1000 करोड़ रुपये जुटाए, बॉन्ड इश्यू जारी होने के 45 मिनट में ही सारे बिके

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के 1,000 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के सार्वजनिक निर्गम को खुलने के 45 मिनट के भीतर ही खरीद लिया गया। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। 500 करोड़ रुपये का बेस इश्यू महज 10 मिनट में बिक गया और ग्रीनशू विकल्प को शामिल करने के बाद एक घंटे से भी कम समय में सब्सक्रिप्शन 1,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। मंगलवार को शुरू हुआ यह इश्यू 19 जनवरी, 2026 को बंद होगा, इसमें पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटन किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह प्रति वर्ष 8.90 प्रतिशत तक का प्रभावी रिटर्न प्रदान करता है। इसका बेस साइज 500 करोड़ रुपये है, जिसमें 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ग्रीन शू विकल्प भी शामिल है। एनसीडी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है और इनका आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। आईसीआरए और केयर रेटिंग्स द्वारा स्थिर दृष्टिकोण के साथ %एए-% रेटिंग प्राप्त ये एनसीडी, समान रेटिंग वाले ऋण और सावधि जमा की तुलना में प्रतिस्पर्धी प्रतिफल प्रदान करते हैं, इससे खुदरा निवेशकों को भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में भाग लेने का अवसर मिलता है। एईएल द्वारा जुलाई 2025 में जारी किए जाने वाले 1,000 करोड़ रुपये के दूसरे एनसीडी निर्गमन को पहले ही दिन महज तीन घंटे में पूरी तरह से सब्सक्राइब कर लिया गया।

घरेलू निवेशकों की दमदार वापसी, 2026 में एफआईआई पर टिकी बाजार की नजर

मुंबई। साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। जहां एक ओर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार शेयर बेंचे तो वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने निवेश को लगातार बढ़ाया। इसकी वजह से शेयर बाजार में स्थिरता बनी रही। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार डीआईआई का इक्विटी प्रवाह 90 अरब डॉलर के साथ अब तक का सबसे उच्च स्तर का इनफ्लो रहा, जबकि एफआईआई ने 2025 में लगभग 19 अरब डॉलर के साथ इक्विटी से अब तक उच्च स्तर का आउटफ्लो रहा है। जानकारों का कहना है 2026 में भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई की वापसी कर सकते हैं। पिछले साल रिकॉर्ड निकासी को प्रेरित करने वाली परिस्थितियां अब सामान्य हो रही है, साथ ही आय में वृद्धि भरोसा, मूल्यांकन और मैक्रो स्थिरता अनुकूल हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार बिकवाली का मुख्य कारण कॉरपोरेट कंपनियों की कमजोर आय, प्रीमिमय मूल्यांकन, अमेरिकी टैरिफ और डॉलर के

मुकाबले रुपये में कमजोरी रही। रिपोर्ट के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इससे विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार की संभावनाओं को लेकर आशंकित हैं। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट ने भी भारतीय वित्तीय बाजारों से विदेशी निवेशकों को बाहर निकलने में मदद की। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय रुपया 2025 में डॉलर के मुकाबले 4.72 प्रतिशत गिरा, जो वर्ष 2022 के बाद का इसका सबसे खराब प्रदर्शन रहा है, उस दौरान यह 10 प्रतिशत गिरा था।

आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और मजबूत कदम

ICGS समुद्र प्रताप के मुरीद हुए PM मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय तट रक्षक जहाज ICGS समुद्र प्रताप की कमीशनिंग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह जहाज हमारी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाता है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। ICGS समुद्र प्रताप गोवा शिपयार्ड लिमिटेड यानी कि GSL द्वारा बनाए गए 2 प्रदूषण नियंत्रण जहाजों में से पहला है, जिसे 5 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमीशन किया था।

'यह हमारी आत्मनिर्भरता की दृष्टि को मजबूती देता है': पीएम मोदी ने 'X' पर लिखा, 'ICGS समुद्र प्रताप का कमीशनिंग कई कारणों से महत्वपूर्ण है। यह हमारी आत्मनिर्भरता की दृष्टि को मजबूती देता है, हमारी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देता है और पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' ICGS समुद्र प्रताप भारतीय तटर रक्षक के लिए अब तक का सबसे बड़ा और सबसे आधुनिक जहाज है। इसे वास्को डि गामा में स्थित गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाया गया है। ICGS समुद्र प्रताप का निर्माण 23 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था। यह जहाज समुद्र में प्रदूषण से निपटने के लिए विशेष रूप से बनाया गया है।

न्यूज विंडो

मृतकों के फेंके गए रजाई-गद्दों को बेच रहे थे दुकानों में, 3 गिरफ्तार

देहरादून । उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां रानी पोखरी क्षेत्र में लोगों द्वारा फेंके गए अपने मृत परिजनों के रजाई-गददों को उठाकर दूसरे लोगों को बेचा जा रहा था। इस आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अधिक जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा कई शिकायत मिलीं थीं। लोगों ने कहा था कि उनके क्षेत्र की एक दुकान पर मृतकों के परिजनों द्वारा फेंके गए रजाई-गद्दे बेचे जा रहे हैं, जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। च में शिकायत सही पाई गई। पुलिस ने दुकान चलाने वाले उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के रहने वाले सलमान (24), उसके पिता हामिद अली (55) तथा उन्हें रजाई गद्दे की आपूर्ति करने वाले ऋषिकेश निवासी संजय (35) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कहा कि ऋषिकेश के पूर्णानंद घाट पर अपने परिजनों का अंतिम संस्कार करने के बाद लोग रास्ते में सात मोड़ नामक स्थान पर एक पीपल के पेड़ के नीचे उनके रजाई गद्दे फेंक देते हैं।

रियासी के श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की अनुमति रद्द

नई दिल्ली/जम्मू। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) ने न्यूनतम मानकों का पालन न करने के कारण जम्मू और कश्मीर के रियासी स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस को दी गई अनुमति रद्द कर दी है। एनएमसी का यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू होगा। एमएआरबी द्वाराजारी एक आदेश में कहा गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए काउंसलिंग के दौरान कॉलेज में प्रवेश पाने वाले सभी छात्रों को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जम्मू और कश्मीर के अन्य चिकित्सा संस्थानों में अतिरिक्त सीटों के रूप में समायोजित किया जाएगा। इसका अर्थ यह है कि इस निर्णय के कारण किसी भी प्रवेशित छात्र की एमबीबीएस सीट नहीं छिनेगी। इसके बजाय, उन्हें जम्मू और कश्मीर के अन्य मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों में उनकी नियमित स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त समायोजित किया जाएगा।

रेत से फिसलने के बाद स्कूटी बस से टक्कराई, दो महिलाओं की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। राष्ट्रीय राजमार्ग 316 पर मंगलपुर के पास जमालपुर इलाके में हुए इस हादसे में दो महिलाओं की जान चली गई। मृतकों में एक महिला पत्रकार शीला पटनायक भी शामिल हैं, जो एक प्रमुख ओड़िया न्यूज़ चैनल में कार्यरत थीं। दूसरी महिला की पहचान अभी आधिकारिक तौर पर नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं स्कूटी से भुवनेश्वर से पुरी की ओर जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार एक निजी बस ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।मंगलपुर के पास सड़क पर फैली रेत भी हादसे की एक बड़ी वजह मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि रेत के कारण स्कूटी फिसल गई, और तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने स्कूटी को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल दूसरी महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अपील- बातचीत से निकलना चाहिए समाधान

वेनेजुएला को लेकर भारत चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल के अगले ही दिन वेनेजुएला पर अमेरिका ने हमला किया। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया और वेनेजुएला में रातों रात सबकुछ बदल गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। वहीं, अब भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने भी इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है। भारतीय विदेश मंत्री का कहना है कि वेनेजुएला में जो कुछ हुआ भारत उससे काफी चिंतित है। बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर लक्जमबर्ग के दौरे पर हैं। वहीं, वेनेजुएला पर हमले के बाद ये जयशंकर का पहला बड़ा बयान है।

विदेश मंत्री ने क्या कहा?: विदेश मंत्री ने कहा, 'हां, वेनेजुएला की स्थिति पर हम चिंतित हैं। हम सभी पक्षों से बैठकर बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान निकालने की अपील करते हैं। ये वेनेजुएला के लोगों के भी बेहद जरूरी है। वेनेजुएला के साथ हमारे सालों से अच्छे संबंध रहे हैं। तो हम चाहते हैं कि वहां के लोग सुरक्षित रहें। '

लक्जमबर्ग के साथ द्विपक्षीय वार्ता: भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने लक्जमबर्ग के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद ये बयान दिया। हालांकि,

इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय ने रविवार को ही वेनेजुएला के हालातों पर चिंता जताते हुए सभी पक्षों से शांति स्थापित करने की अपील की थी।

विदेश मंत्रालय ने जारी किया था हेल्पलाइन नंबर

विदेश मंत्रालय ने कहा था कि काराकास स्थित दूतावास वेनेजुएला में रहने वाले सभी भारतीयों के संपर्क में बना हुआ है। साथ ही उन्होंने भारतीयों से कुछ समय के लिए वेनेजुएला की यात्रा न करने की अपील की थी। विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर +58-412-9584288 भी जारी किया था।

डोनाल्ड ट्रंप बोले- होगा मेरा नियंत्रण

वेनेजुएला से अमेरिका लेगा 5 करोड़ बैरल तेल

काराकास। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नार्को-आतंकवाद के खिलाफ अभियान बताया। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान से साफ हो गया है कि वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के पीछे अहम वजह तेल ही था। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर कहा कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को बाजार मूल्य पर 3 से 5 करोड़ बैरल उच्च गुणवत्ता वाला तेल उपलब्ध कराएगा। डोनाल्ड ट्रंप की ओर से यह एलान काराकास के अधिकारियों की ओर से अमेरिकी सैन्य अभियान में कम से कम 24 वेनेजुएला के सुरक्षा अधिकारी मारे जाने की घोषणा के बाद आया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि तेल जहाजों से ले जाया जाएगा और सीधे अमेरिका में अनलोडिंग डॉक पर लाया जाएगा।

तेल की बिक्री से मिलने वाले पैसों पर होगा ट्रंप का नियंत्रण: उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में धन पर उनका नियंत्रण होगा, लेकिन इसका उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के लाभ के लिए किया जाएगा। इसके अलावा व्हाइट हाउस शुक्रवार को वेनेजुएला के संबंध में तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ ओवल ऑफिस में एक बैठक आयोजित कर रहा है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कॉनोकोफिलिप्स के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है।

ट्रंप ने दी थी वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति को चेतावनी: मंगलवार को वेनेजुएला के अधिकारियों ने मादुरो पर हुए हमले में मारे गए लोगों की संख्या का एलान किया। इसे कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का ट्रंप पर पलटवार माना जा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि अगर वह सही कदम नहीं उठातीं और वेनेजुएला को अमेरिकी हितों के अनुरूप देश में नहीं बदलतीं, तो उन्हें मादुरो से भी बदतर स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

पुलिस ने खोले राज

उस्मान हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध

ढाका। बांग्लादेश की पुलिस ने कहा है कि शरीफ उस्मान हादी की हत्या राजनीतिक प्रतिशोध के कारण हुई थी। हादी को प्रतिबंधित अवामी लीग के इशारे पर मारा गया था। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के अतिरिक्त आयुक्त मोहम्मद शफीकुल इस्लाम ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस हत्या के मामले में कुल 17 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कहा,

बांग्लादेश: चोरी के शक में भीड़ ने दौड़ाया, नहर में कूदा हिंदू युवक, मौत

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मामले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की हालिया घटना नौगांव जिले के महादेवपुर इलाके में हुई। चोरी के शक में पीछा कर रही भीड़ से बचने के लिए हिंदू शख्स ने नहर में छलांग लगा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। पीड़ित की पहचान भंडारपुर गांव के मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। पुलिस ने मंगलवार दोपहर को उसका शव बरामद किया। बांग्लादेश में बीते 48 घंटों में ये तीसरे हिंदू शख्स की हत्या है।

उत्तरप्रदेश में 2 करोड़ 87 लाख लोगों के नाम कटे मुस्लिम बहुल जिलों में हटे सबसे अधिक नाम

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई. प्रेस कांफ्रेंस कर यूपी सीईओ ने जानकारी देते हुए बताया कि यूपी एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। जिसमें करीब 2 करोड़ 87 लाख लोगों के नाम काटे गए हैं. जिसमें 46 लाख लोग मृत पाए गए। एसआईआर के तहत सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में नाम काटे गए हैं. लखनऊ में करीब 12 लोगों के नाम काटे गए हैं। जबकि सबसे कम महोबा जिले में वोटर्स के नाम काटे गए हैं। महोबा में महज 85 हजार नाम काटे गए हैं।

यूपी एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट में सूबे के सभी जिलों की डिटेल जारी की गई है. यूपी के रामपुर, संभल और मुरादाबाद में सबसे अधिक मुसलमान रहते हैं. रामपुर में एसआईआर के तहत 3 लाख 21 हजार 571 वोट काटे गए हैं. वहीं संभल जिले में 3 लाख 18 हजार 601 वोट काटे गए हैं. वहीं मुरादाबाद जिले में 3 लाख 87 हजार 611 वोट काटे गए।

राजस्थान-एमपी समेत 8 राज्यों में पारा 5 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी राज्यों की तरफ चल रही सर्द हवाओं से पूरे देश में तापमान में गिरावट आई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में तापमान 5डिग्री से नीचे पहुंच गया है।इन राज्यों के कई जिलों में घना कोहरा छाया है, जिसके कारण 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। यूपी में 20 फ्लाइट्स और 100 ट्रेनें लेट चल रही हैं। जयपुर में आज विजिबिलिटी जीरो है, इसके कारण 8 फ्लाइट देरी से चल रही हैं।मध्य प्रदेश के भोपाल में जनवरी की सर्दी का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। यहां 3.8डिग्री तापमान रहा। बुधवार को छिंदवाड़ा में 2 डिग्री तापामान रहा। दमोह, गुना, मुरैना में ओस जम गई।कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने से एक बार फिर ठंड बढ़ गई है।

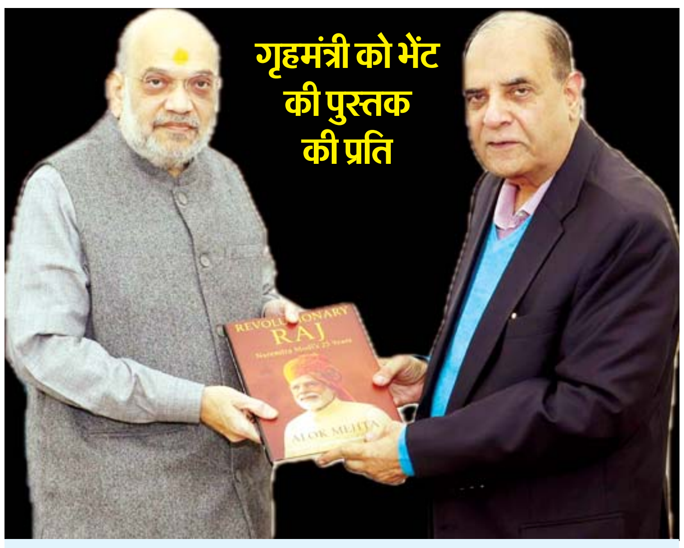

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार व स्तंभकार आलोक मेहता ने गृहमंत्री अमित शाह को अपनी नई पुस्तक Revolutionary Raj -Narendra Modi's 25 years' की प्रति भेंट की। श्री शाह ने पुस्तक की सराहना करते हुए इसे अधिकाधिक पाठकों और पुस्तकालयों तक पहुंचने की शुभकामना दी ।

मेट्रो एंकर

शिंदे गुट को सत्ता से दूर रखने का सियासी दांव, एकनाथ चारों खाने चित्त

भाजपा-कांग्रेस के बीच गठबंधन, महाराष्ट्र सियासत में गजब 'खेला'

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र की सियासत में नया खेल देखने को मिला है। कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा ने ठाणे के अंबरनाथ नगर परिषद में कांग्रेस से हाथ मिला लिया है। भाजपा ने शिवसेना के शिंदे गुट को सत्ता से दूर रखने के लिए कांग्रेस के साथ सत्ता का रास्ता चुना है। अंबरनाथ में भाजपा-कांग्रेस गठबंधन से राजनीति गरमा गई है। इस भाजपा और कांग्रेस गठबंधन में अजित पवार की एनसीपी भी शामिल है। इस तरह अंबरनाथ नगरपालिका में सत्ता का संतुलन बदल गया है और अब शिवसेना को विपक्ष की बेंच पर बैठना पड़ेगा।

दरअसल, अंबरनाथ नगर परिषद में हुए राजनीतिक घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति

में हलचल मचा दी है। शिंदे गुट को सत्ता से दूर रखने के लिए भाजपा ने अंबरनाथ में सीधे कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर सत्ता का रास्ता चुना है। शिंदे गुट को दरकिनार करते हुए अंबरनाथ नगर परिषद में भाजपा-कांग्रेस का एक अप्रत्याशित गठबंधन साकार हुआ है। इस गठबंधन की बदौलत भाजपा बहुमत की ओर बढ़ रही है। इस गठबंधन की वजह से ही भाजपा की तेजश्री करंजुले ने अंबरनाथ नगर परिषद में महापौर का पद जीत लिया है।

शिंदे समूह के विधायक डॉ। बालाजी किनिकर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा पर कांग्रेस के साथ गठबंधन करके शिवसेना पर हमला करने का आरोप लगाया है।

भाजपा को बढ़त के आसार

कुल 32 पार्षदों के गठबंधन से भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल जाएगा. इसमें भाजपा के 14, कांग्रेस के 12 और एनसीपी (अजीत पवार समूह) के 4 पार्षद शामिल हैं. इस गठबंधन को 'अम्बरनाथ विकास अघाड़ी' नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना शिंदे समूह में भारी असंतोष है. शिवसेना शिंदे समूह ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को 'अभद्र युति (गठबंधन)' बताया है।

शिंदे गुट का पलटवार

भाजपा उपाध्यक्ष गुलाबराव करंजुले पाटिल ने शिंदे समूह पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर वे पिछले पच्चीस वर्षों से भ्रष्टाचार में लिप्त शिंदे समूह के साथ सत्ता में होते तो यह एक बेहद ही अनुचित गठबंधन न होता। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने अंबरनाथ नगर परिषद के लिए शिंदे समूह के साथ महागठबंधन पर कई बार चर्चा करने की कोशिश की, लेकिन उनके नेताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564